ओ३म्

वैदिक संस्कृति का उद्घोषक

वैदिक सार्वदेशिक

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली का साप्ताहिक मुख-पत्र

शुल्क :- एक प्रति 5 रुपया (भारत में) वार्षिक 250 रुपये तथा आजीवन 2500 रुपये

वर्ष 17 अंक 45 कुल पृष्ठ-12 30 दिसम्बर, 2021 से 5 जनवरी, 2022 दयानन्दाब्द 198 सृष्टि सम्वत् 1960853122 सम्वत् 2078 मा.कृ.-11

अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानन्द जी महाराज द्वारा स्थापित विश्वविख्यात गुरुकुल कांगड़ी (हरिद्वार) के तत्वावधान में सिंह द्वार पर बलिदान दिवस समारोह का किया गया भव्य आयोजन

स्वामी श्रद्धानन्द जी द्वारा दिखाये गये रास्ते पर चलकर ही भारत विश्वगुरु बन सकता है

– स्वामी आर्यवेश

महर्षि दयानन्द के सपनों को पूरा करने में जीवन लगाया स्वामी श्रद्धानंद जी ने

– स्वामी आदित्यवेश

स्वतन्त्रता आन्दोलन के अग्रणी नेता थे स्वामी श्रद्धानन्द जी महाराज

– बिरजानन्द एडवोकेट

सन् 1902 में गुरुकुल कांगड़ी की स्थापना करके अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानन्द जी महाराज ने शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी अध्याय का सूत्रपात किया था। गुरुकुल शिक्षा प्रणाली में महर्षि दयानन्द सरस्वती की मान्यता के अनुसार ''चाहे कोई राजकुमार हो या राजकुमारी, चाहे दरिद्र की सन्तान हो, सबको तुल्य वस्त्र, खान–पान तथा आसन दिये जाने की परम्परा रही है।'' और सभी प्रकार की संकीर्णताओं से अलग हटकर समाज के सभी वर्ग एवं समुदायों के बच्चों को समान शिक्षा देने की व्यवस्था रही है। यह विचार गुरुकुल कांगड़ी में स्वामी श्रद्धानन्द जी ने क्रियान्वित किया और एक आदर्श शिक्षा व्यवस्था समाज के समक्ष प्रस्तुत की। स्वामी श्रद्धानन्द जी के 95वें बलिदान दिवस के अवसर पर गुरुकुल कांगड़ी विद्यालय के प्रांगण में 23 दिसम्बर, 2021 को भव्य बलिदान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी, युवा संन्यासी व आर्य विद्या सभा गुरुकुल कांगड़ी के उप मंत्री स्वामी आदित्यवेश, विद्या सभा के कोषाध्यक्ष बिरजानंद एडवोकेट एवं रामनिवास आर्य विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। उनके अतिरिक्त कई गणमान्य लोगों की गरिमापूर्ण उपस्थिति रही। इस आयोजन के सूत्रधार एवं मुख्य संयोजक डॉ. दीनानाथ शर्मा की अध्यक्षता एवं प्रसिद्ध वैदिक विद्वान डॉ. योगेश शास्त्री डी–लिट् के कुशल संयोजन में प्रातः 9 बजे से यज्ञ का आयोजन किया गया। यज्ञ के उपरान्त

स्वामी आर्यवेश जी एवं गुरुकुल के मुख्याधिष्ठाता डॉ. दीनानाथ शर्मा ने कुल पताका फहराकर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। इस अवसर पर गुरुकुल के ब्रह्मचारियों ने भव्य व्यायाम प्रदर्शन किया। जिला आर्य सभा हरिद्वार सहित गुरुकुल के अध्यापक व कांगड़ी फार्मेसी के कर्मचारियों की भी उपस्थित रही। उसके बाद गुरुकुल कांगड़ी के विद्यालय विभाग से सिंहद्वार तक भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। 11 बजे से 2 बजे तक कार्यक्रम श्रद्धानन्द चौक पर रखा गया जहां अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानन्द जी की प्रतिमा स्थापित है।

इस अवसर पर स्वामी आर्यवेश जी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में स्वामी श्रद्धानन्द जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके व्यक्तित्व के बहुआयामी स्वरूप पर प्रकाश डाला और बताया कि स्वामी श्रद्धानन्द जी स्वतंत्रता सेनानी, गुरुकुल शिक्षा प्रणाली के पुरोधा, हिन्दी भाषा के प्रबल प्रचारक, शुद्धि आन्दोलन के सूत्रधार, सौहार्द के समर्थक, त्याग मूर्ति एवं उच्चकोटि के बलिदानी थे, उनका कद तत्कालीन सभी नेताओं से ऊँचा था। वे निर्भीक एवं स्पष्टवादी संन्यासी थे। अपना सर्वस्व गुरुकुल एवं राष्ट्र के लिए समर्पित करके उन्होंने एक अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया था। स्वामी आर्यवेश जी ने गुरुकुल के मुख्याधिष्ठाता डॉ. दीनानाथ शर्मा तथा उनके समस्त सहयोगियों एवं गुरुकुल के सभी अध्यापकों, कर्मचारियों को इस शानदार कार्यक्रम के लिए साधुवाद दिया तथा गुरुकुल की प्रगति एवं व्यवस्था के लिए भी भूरि–भूरि प्रशंसा की।

शेष पृष्ठ 12 पर

सम्पादक - प्रो. विट्ठलराव आर्य

सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी का 30 अक्टूबर, 2021 से 30 दिसम्बर, 2021 तक के प्रचार यात्राओं का संक्षिप्त विवरण

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली के यशस्वी प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने 1 अक्टूबर 2021 से 30 दिसम्बर, 2021 तक आर्य समाज के प्रचार–प्रसार में जहां–जहां उनके कार्यक्रम आयोजित हुए वहां पहुंचकर आर्यजनों को उत्साहित किया और विभिन्न कार्यक्रमों में अपने विचार प्रस्तुत करके वहाँ उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया।

आर्य समाज सैद अलीपुर, जिला–महेन्द्रगढ़ हरियाणा के वार्षिकोत्सव में सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी की उपस्थिति

19 अक्टूबर, 2021 को आर्य समाज सैद अलीपुर, जिला–महेन्द्रगढ़ के वार्षिकोत्सव में सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी, स्वामी आदित्यवेश जी, श्री बिरजानन्द जी व श्री राम निवास जी विशेष रूप से सम्मिलित हुए तथा अपने ओजस्वी विचारों से श्रोताओं को लाभान्वित किया। यह उत्सव स्व. श्री जगदीश आर्य सरपंच (संन्यास लेने के बाद बने स्वामी सेवानन्द) के बड़े सुपुत्र हरियाणा पुलिस के सेवानिवृत्त इंस्पेक्टर श्री वीरेन्द्र कुमार के संयोजन में आयोजित किया गया था। विदित हो कि ग्राम–सैद अलीपुर विश्वविख्यात योग गुरु स्वामी रामदेव जी महाराज का पैतृक गांव है और स्व. श्री जगदीश आर्य स्वामी रामदेव जी के रिश्ते में ताऊ लगते थे। श्री जगदीश आर्य स्वामी इन्द्रवेश जी व स्वामी अग्निवेश जी के विशेष सहयोगियों में से एक थे। उनके सुपुत्र श्री वीरेन्द्र कुमार भी सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी के साथ आत्मीय सम्बन्ध रखते हैं और समय–समय पर ऐसे कार्यक्रमों में उन्हें आमंत्रित करते रहते हैं।

बेटी बचाओ अभियान की राष्ट्रीय संयोजक बहन प्रवेश आर्या की पूज्य माता जी श्रीमती सावित्री देवी जी की 13 वीं पुण्य तिथि पर आयोजित यज्ञ में सभा प्रधान हुए सम्मिलित

23 अक्टूबर, 2021 को आर्य जगत की विदुषी बहन बेटी बचाओ अभियान की राष्ट्रीय संयाजक बहन प्रवेश आर्या की पूज्या माता श्रीमती सावित्री देवी जी की स्मृति में उनके निवास पर रोहतक में विशेष यज्ञ किया गया जिसमें मुख्य रूप से सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी एवं स्वामी आदित्यवेश जी सम्मिलित हुए और स्वर्गीया माता सावित्री देवी जी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विशेष यज्ञ किया गया जिसमें स्व. श्रीमती सावित्री देवी जी के बड़े सुपुत्र श्री प्रदीप कुमार एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती प्रभावती यजमान बने तथा परिवार के अन्य सभी प्रमुख सदस्य एवं हितैषीगण यज्ञ में सम्मिलित हुए। मुख्यरूप से बहन प्रवेश आर्या, पूनम आर्या, बहन शशि आर्या, डॉ. परविन्दर कुमार व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुमन, बहन प्रवेश जी के पूज्य पिता मा. नफे सिंह जी व उनके चाचा कर्नल आर.के. सिंह, डी.एस.पी. अर्जुन सिंह जी के अतिरिक्त विनीत कुमार व उनकी पत्नी श्रीमती कविता, विनय कुमार एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती बबिता, डी.एस.पी. साहब की धर्मपत्नी श्रीमती शकुन्तला व कर्नल साहब की धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा आदि के अतिरिक्त कु. रिंकू आर्या, कु. विकास आर्या, कु. एकता आर्या, कु. पूजा आर्या, कु. शशि आर्या आदि बहनें भी सम्मिलित हुई। श्रीमती सावित्री जी के पौत्र प्रतीक, कु. प्रेक्षा, कु. अक्षिमा एवं कुमारी आव्या। इसी प्रकार डी.एस.पी. साहब के पौत्र विवेक एवं पौत्री परी आदि बच्चों ने भी अपनी दादी को स्मरण करते हुए यज्ञ में आहुतियाँ दी। इस परिवार में समय–समय पर ऐसे यज्ञों का विशेष आयोजन बड़ी श्रद्धा के साथ होता है जिसमें सभी बच्चे, बूढ़े एवं युवक सभी भाग लेते हैं। सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी का उपदेश इस अवसर पर सभी के लिए प्रेरणा देने वाला रहा।

शम्भू दयाल आर्य वैदिक संन्यास आश्रम, गाजियाबाद के प्रधान पद का दायित्व सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी को सौंपा गया

आर्य जगत की प्रसिद्ध संस्था शम्भू दयाल आर्य वैदिक संन्यास आश्रम, गाजियाबाद के प्रधान पूज्य स्वामी चन्द्रवेश जी महाराज के देहावसान के उपरान्त उनके स्थान पर आश्रम के उपाध्यक्ष सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी को आश्रम की साधारण सभा ने प्रधान निर्वाचित कर आश्रम का दायित्व उन्हें सौंप दिया है। 24 अक्टूबर, 2021 को विशेष रूप से आहूत की गई संन्यास आश्रम की साधारण सभा ने सर्वसम्मति से आश्रम के पूर्व में चले आ रहे उपाध्यक्ष स्वामी आर्यवेश जी को अध्यक्ष के रूप में चुना और उनसे प्रार्थना की कि वे इस ऐतिहासिक संस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए अपना मार्गदर्शन एवं नेतृत्व संस्था को प्रदान करें। स्वामी आर्यवेश जी ने कार्य अधिकता होते हुए भी सभी सम्मानित सदस्यों के आग्रह को स्वीकार करके आश्रम की व्यवस्था विधिवत रूप से संभाल ली और आश्रम के आचार्य श्री सत्यपति जी एवं श्री सत्यकेतू सिंह एडवोकेट, श्री वेद व्यास जी आदि को संस्था के कार्यों की देख–रेख करने का जिम्मा सौंपा है। विदित हो कि श्री शम्भू दयाल आर्य वैदिक संन्यास आश्रम गाजियाबाद को शास्त्रार्थ महारथी अमर स्वामी जी महाराज, दर्शनों के विद्वान आचार्य उदयवीर शास्त्री, स्वामी मुनीश्वरानन्द जी महाराज, आर्य जगत् के उद्भट्ट विद्वान प्रो. रतन सिंह जी, प्रवृत्ति विभुतियों का नेतृत्व एवं संरक्षण प्राप्त रहा है। पिछले लगभग 30 वर्ष से आर्य जगत के तपोनिष्ठ संन्यासी वेदाचार्य, दर्शनाचार्य एवं व्याकरणाचार्य स्वामी चन्द्रवेश जी महाराज आश्रम के निरन्तर अध्यक्ष रहे। उनके अचानक देहावसन से आश्रम की व्यवस्था को विशेष आघात पहुंचा। इसकी पूर्ति के लिए सम्पूर्ण कार्यकारिणी मनोयोग से कृत संकल्प है। इस कार्य में सभा प्रधान जी का भी कार्यकारिणी को पूरा सहयोग प्राप्त रहेगा।

स्वामी आर्यवेश जी 30 अक्टूबर को मुजफ्फरनगर में

स्वामी आर्यवेश जी 30 अक्टूबर को प्रातः स्वामी इंद्रवेश विद्यापीठ आश्रम टिटौली से निकले और मुजफ्फरनगर में गांधी कॉलोनी स्थित श्री गजराज सिंह राणा के निवास पर सामवेद पारायण यज्ञ में सम्मिलित हुए विदित हो कि स्वामी जी के इस प्रचार यात्रा में आर्य समाज के तेजस्वी युवा संन्यासी स्वामी आदित्यवेश जी भी उनके साथ रहे और उनका भी स्थान–स्थान पर उद्बोधन भी हुआ और आर्य जनों ने उनके संन्यास दीक्षा से प्रभावित होकर उनका भावना पूर्ण सम्मान और स्वागत भी किया। श्री गजराज सिंह राणा मुजफ्फरनगर के बड़े प्रतिष्ठित व्यक्तित्व हैं वे और उनकी धर्मपत्नी दोनों ही अपने प्रयास से वहाँ योग की एक बड़ी प्रभावशाली क्लास चलाते हैं और उसके अतिरिक्त प्रतिवर्ष एक वेद का पारायण यज्ञ वे अपने निवास पर आयोजित करते हैं जिसमें अनेक विद्वानों को आमंत्रित करके उसमें उनके द्वारा दिए गए उपदेशों का लोगों को लाभ पहुंचाते हैं। उनके इस यज्ञ में भी विशेष रुप से यज्ञ के ब्रह्मा पद पर जयपुर से पधारीं वैदिक विदुषी बहन श्रुति आर्या और उनके साथ वेदपाठी के रूप में मीनाक्षी आर्या और कविता आर्या पधारी हुई थीं। इन विदुषी बहनों के द्वारा यज्ञ का बहुत ही प्रभावशाली तरीके से संचालन किया गया।

इस अवसर पर स्वामी आर्यवेश जी के अतिरिक्त स्वामी योगानंद जी, आचार्य गुरुदत्त आर्य जी, जिला सभा के प्रधान आनंदपाल सिंह आर्य जी, युवा संन्यासी स्वामी आदित्यवेश जी आदि विद्वानों के भी व्याख्यान हुए। उनके अतिरिक्त स्वर्गीय पंडित सत्यपाल पथिक के सुपुत्र श्री दिनेश आर्य पथिक भी वहाँ पर अपने भजनों के माध्यम से कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए पधारे हुए थे।

इस अवसर पर सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी के सारगर्भित व्याख्यान को लोगों ने दत्तचित होकर सुना। स्वामी जी ने यज्ञ के महत्व पर बड़े विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि यज्ञ एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है यह केवल एक कर्मकांड नहीं है यह कथित लोगों के द्वारा घोषित कोई जादू–टोना नहीं है, यह पूजा पाठ नहीं है, बल्कि यज्ञ का जो भौतिक पक्ष है वह इस पूरे वायुमंडल में फैले हुए प्रदूषण को समाप्त करना और विभिन्न रोगों से ग्रसित लोगों को रोग से मुक्त कराना यज्ञ का महत्वपूर्ण योगदान है। इसी प्रकार से उसका आध्यात्मिक पक्ष यह है कि यज्ञ से हमें प्रेरणा मिलती है जीवन में त्याग को, समर्पण को, परोपकार को अपनाने की। यदि एक शब्द में पूरे वैदिक संस्कृति को हम समेटना चाहें तो वो शब्द यज्ञ है अर्थात पूरी वैदिक संस्कृति और वैदिक वांग्मय का निष्कर्ष इस शब्द में आ जाता है। यज्ञ के माध्यम से हम जहां व्यक्तिगत जीवन की उन्नति करते हैं निष्काम अवस्था तक पहुंचने के लिए अभ्यास करते हैं और त्याग और एक प्रकार से समर्पण की भावना को अपने जीवन में उतारते हैं, वहीं प्राणी मात्र के कल्याण की भावना भी इसमें समाहित होने से यज्ञ सर्वश्रेष्ठ कार्य कहलाता है। स्वामी जी ने इस प्रकार से यज्ञ के विभिन्न पहलुओं पर बहुत ही सरल और शास्त्रोक्त उद्धरणों से लोगों के दिल और दिमाग पर एक गहरी छाप छोड़ी। स्वामी जी का आयोजकों के द्वारा विशेष स्वागत सत्कार किया गया। उन्हें मोमेंटो

और शॉल भेंट करके सम्मानित किया गया, उनके साथ स्वामी आदित्यवेश जी को भी शॉल और स्मृति चिन्ह देकर आयोजकों द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मंच का कुशल संचालन युवा विद्वान श्री ओमदत्त आर्य ने संभाला।

इस अवसर पर आर्य समाज के प्रसिद्ध वैदिक विद्वान डॉ चंद्रवीर राणा, मास्टर मनोचा जी खंडेलवाल, श्री मंगल सिंह जी, श्री राकेश ढींगरा जी, श्री दीपक त्यागी जी और श्री गजेंद्र सिंह जी के बड़े भाई श्री देवेंद्र राणा जी भी विशेष रूप से विद्यमान रहे। श्री गजेंद्र सिंह राणा की धर्मपत्नी श्रीमती नीरज आर्या ने क्षेत्र की महिलाओं को विशेष रूप से कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए प्रेरित किया। श्री गजराज सिंह राणा जी का पूरा परिवार आर्य विचारधारा से ओतप्रोत है। स्वामी जी इनके उज्जवल भविष्य एवं मंगल कामना के लिए परिवार को आशीर्वाद दिया।

कन्या गुरुकुल नवलपुर, जिला–बिजनौर (उत्तर प्रदेश) में

मुजफ्फरनगर से स्वामी आर्यवेश जी और स्वामी आदित्यवेश जी कन्या गुरुकुल नवलपुर, जिला बिजनौर पहुंचे। वहां की कार्यकारिणी के सभी सदस्यों ने स्वामी जी से विशेष आग्रह किया कि इस नए गुरुकुल में वह जरूर पधारें और हमारा उत्साहवर्धन करें। स्वामी जी ने उनका आग्रह स्वीकार कर लिया और वे वहां गुरुकुल में पहुंचने पर स्वामी जी का जोरदार स्वागत किया गया। गुरुकुल के प्रबंधक श्री सुशील त्यागी जी और कमेटी के मुख्य सदस्य पीतम सिंह आर्य जी, गुरुकुल की आचार्या बहन सुनीता आर्या जी और अन्य महानुभावों ने स्वामी जी के साथ मिलकर इस गुरुकुल के विकास के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की। कुछ देर गुरुकुल के सम्बन्ध में विचार–विमर्श करने के बाद गुरुकुल की कन्याओं ने ब्रह्मचारिणियों ने स्वामी जी और उनके साथियों का अपने गीत के द्वारा स्वागत किया। इस अवसर पर सभा प्रधान जी ने सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की ओर से कन्या गुरुकुल को 5000/– रुपये की राशि देकर उनका सहयोग भी किया। कन्या गुरुकुल में अपने संक्षिप्त प्रवास के पश्चात स्वामी आर्यवेश नजीबाबाद स्थित कन्या गुरुकुल की रजत जयंती में सम्मिलित होने के लिए चल पड़े।

जिला–बिजनौर के आर.टी.ओ. श्री शिव शंकर सिंह द्वारा

सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी का स्वागत

कन्या गुरुकुल नवलपुर से चलकर स्वामी आर्यवेश जी, स्वामी आदित्यवेश जी, श्री धर्मेंद्र आर्य जी और उनके साथी बिजनौर से होते हुए जब नजीबाबाद के लिए चल रहे थे तो स्वामी जी के बहुत पुराने शिष्य और उनके बड़े प्रिय श्री शिव शंकर सिंह जी जो आजकल बिजनौर के आरटीओ हैं यातायात के सबसे बड़े अधिकारी हैं। उनको सोशल मीडिया से यह ज्ञात हो गया कि स्वामी जी बिजनौर से नजीबाबाद जा रहे हैं तो उन्होंने अपनी गाड़ियाँ लगाकर और अपने सारे जो कार्यकर्ता थे उनको लगा करके स्वामी जी को बाधित किया कि उनके कार्यालय में वह थोड़ी देर के लिए रुकें और हमारे कार्यकर्ताओं को भी अपना उपदेश देकर आगे जाएं। स्वामी जी के पास यद्यपि समय का अभाव था फिर भी उनका आग्रह स्वीकार करके गाड़ियों के काफिले के साथ वह यातायात अधिकारी के कार्यालय में पहुंचे। जहां पर उनके सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वामी जी का जोरदार स्वागत किया। स्वामी जी के सभी साथियों को उन्होंने शॉल, मिठाई के डब्बे भेंट करके बहुत ही विशेष सम्मान दिया। वहाँ पर थोड़ा फलाहार करके स्वामी जी वहाँ से आगे बढ़ते समय उनको आश्वासन दिया कि वे पुनः आयेंगे। आज हमारे पास समय का अभाव है इसलिए अधिक समय नहीं रूक पाएंगे। किंतु इस बीच में स्वामी जी ने उपस्थित उनके सभी कर्मचारियों, कार्यकर्ताओं एवं अधिकारियों के बीच में संक्षेप में अपने विचार प्रस्तुत करते हुए एक ही बात की प्रेरणा दी कि वे अपने जीवन में नशे और दूसरी जो बुराइयाँ जीवन में होती हैं उनसे बचें रिश्वत और बेईमानी से बचें और कोशिश करें कि गरीब आदमी की अधिक से अधिक उनके हाथ से सेवा हो सके अर्थात् परोपकार को अपने जीवन में जोड़ें। इस प्रकार से संक्षिप्त उपदेश देकर स्वामी जी कन्या गुरुकुल नजीबाबाद के लिए निकल पड़े। इस अवसर पर आर.टी.ओ. श्री शंकर सिंह जी ने स्वामी जी को आश्रम के लिए लगभग 15 शॉल और 15 डब्बे मिठाई भी विशेष रूप से अपनी तरफ से प्रदान किया।

कन्या गुरुकुल नजीबाबाद के रजत जयंती समारोह में

बिजनौर से चलकर स्वामी जी और उनके साथी कन्या गुरुकुल नजीबाबाद के रजत जयंती समारोह में सम्मिलित होने के लिए सायंकाल लगभग 4.45 बजे नजीबाबाद पहुंचे। जहां पर अत्यंत भावपूर्ण तरीके से गुरुकुल की आचार्या डॉ. प्रियंवदा वेद भारती तथा उनकी सभी अध्यापिकाओं एवं छात्राओं ने स्वामी जी तथा उनके साथियों का अभिवादन किया। कार्यक्रम में आर्य जगत के वीतराग संन्यासी स्वामी प्रणवानन्द जी, प्रसिद्ध वैदिक विद्वान डॉ. ज्वलन्त कुमार शास्त्री जी, राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत संस्कृत के प्रकाण्ड विद्वान डॉ. प्रशस्यमित्र शास्त्री, प्रसिद्ध वैदिक विद्वान् डॉ. सुद्युमन आचार्य, तपोनिष्ठ आचार्य रामचन्द्र जी, गुरुकुल के मंत्री श्री भोपाल सिंह आर्य एवं अन्य गणमान्य महानुभावों की उपस्थिति में स्वामी जी का गुरुकुल की उपलब्धियों की प्रशस्ति में प्रभावशाली व्याख्यान हुआ। उन्होंने गुरुकुल के लिए सभा की ओर से 25 हजार रुपये की राशि भी प्रदान की। नजीबाबाद से हरिद्वार, सहारनपुर व यमुनानगर होते हुए स्वामी जी व उनके साथी देर रात को पंचकुला श्री महेन्द्र सिंह लोहचब एवं बेटी सुमन के घर पर जाकर विश्राम किया। इस परिवार ने बड़ी श्रद्धा के साथ स्वामी जी व उनके सहयोगियों का आतिथ्य किया।

इस बीच सहारनपुर में आर्य समाज के कर्मठ एवं समर्पित कार्यकर्ता तथा अनुभवी पत्रकार श्री विपीन आर्य के संयोजन में प्रमुख आर्य सामाजिक कार्यकर्ताओं ने स्वामी जी का जोरदार स्वागत किया और उन्हें मोटरसाईकिलों के काफिले के साथ शहर में ले जाकर कार्यकर्ताओं से परिचित कराया।

आर्य समाज पंचकुला में प्रवचन

31 अक्टूबर को प्रातः 9 से 10 बजे तक आर्य समाज सैक्टर–12, पंचकुला में सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी का वैदिक मान्यताओं पर विशेष व्याख्यान हुआ जिसकी श्रोताओं ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की। आर्य समाज के प्रधान श्री धर्मवीर बत्रा ने इस अवसर पर स्वामी आर्यवेश जी व स्वामी आदित्यवेश जी का विशेष सम्मान किया और 3100 रुपये की राशि सार्वदेशिक सभा के लिए दान स्वरूप भेंट की।

वेद प्रचार समिति, आर्य समाज मोहाली में सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी का भव्य स्वागत

आर्य समाज के अन्तर्राष्ट्रीय प्रचारक मेजर विजय आर्य मंत्री एवं श्री मधुकर कोड़ा प्रधान, वेद प्रचार समिति आर्य समाज मोहाली के आमंत्रण पर स्वामी आर्यवेश जी व उनके साथी 11 बजे मोहाली पहुँचे और वहाँ पर आर्य समाज द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम में

भाग लिया। मेजर विजय आर्य ने यह कार्यक्रम अपने परिवार के सदस्यों से जुड़े चार कार्यक्रमों का सामूहिक कार्यक्रम आयोजित किया था जिसमें 2 अक्टूबर उनके पोते का जन्मदिन, 10 अक्टूबर को उनकी धर्मपत्नी श्रीमती शशि वर्मा का जन्मदिन, 14 अक्टूबर को उनके बेटे की वैवाहिक वर्षगांठ तथा 25 अक्टूबर उनकी पुत्रवधु श्रीमती सुक्रिया का जन्मदिन था। अतः उन्होंने 31 अक्टूबर को सामूहिक कार्यक्रम करके सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी तथा युवा संन्यासी स्वामी आदित्यवेश जी को परिवार को आशीर्वाद देने के लिए आमंत्रित किया था।

इस अवसर पर स्वामी आर्यवेश जी का स्वागत करने के लिए आर्य प्रतिनिधि सभा हिमाचल प्रदेश के प्रधान श्री प्रबोध सूद जी व उनकी धर्मपत्नी प्रिं. सुमन सूद, आर्य समाज शिमला के प्रधान श्री ह्रदेश आर्य, आर्य समाज नांगल टाऊन के प्रधान श्री सतीश अरोड़ा व श्री ओम प्रकाश खन्ना, आर्य समाज सैक्टर–22 के प्रधान श्री कमल कृष्ण महाजन, आर्य समाज सैक्टर–32 के प्रधान श्री योगराज व श्री राज कुमार गुप्ता, स्त्री आर्य समाज की प्रधाना श्रीमती चांदवानी व श्रीमती सुनीता, आर्य समाज सैक्टर–19 के श्री अजय गुप्ता, आर्य समाज मोहाली के उपप्रधान श्री रविदत्त रवि, आर्य समाज राजपुरा के श्री राजीव जी, आर्य समाज पंचकुला के प्रधान श्री धर्मवीर बत्रा आदि महानुभाव विशेष रूप से पधारे। इन सभी आर्य समाजों के पदाधिकारियों को आर्य समाज मोहाली की ओर से मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर स्वामी आर्यवेश जी व स्वामी आदित्यवेश जी के ओजस्वी व्याख्यान हुए। कार्यक्रम के उपरान्त प्रीति भोज की भी विशेष व्यवस्था की गई थी। सभी आगन्तुक महानुभावों को मेजर विजय आर्य ने मिठाई के डब्बे भेंट किये।

सरदार नरेन्द्र सिंह की धर्मपत्नी के निधन पर करनाल में उनके परिवारजनों को सांत्वना प्रदान की

चण्डीगढ़ से चलकर सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी और उनके सहयोगी करनाल पहुँचे तथा सरदार नरेन्द्र सिंह की धर्मपत्नी के असामयिक निधन पर शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। विदित हो कि सरदार नरेन्द्र सिंह और उनके छोटे भाई भाई गुरिंदर सिंह बिट्टा अमेरिका में रहते हैं और सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी की प्रेरणा से आर्य समाज की गतिविधियों में विशेष सहयोग करते हैं।

स्व. कर्मवीर श्री राम सिंह आर्य जी की स्मृति में 2 नवम्बर, 2021 को जोधपुर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में

सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी, स्वामी आदित्यवेश जी, श्री धर्मेन्द्र आर्य जी, श्री बिरजानन्द जी प्रधान आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान 1 नवम्बर को दिल्ली से जोधपुर के लिए रवाना हुआ और 2 नवम्बर को प्रातः जोधपुर पहुंचे। जहां रेलवे स्टेशन पर आर्य वीरों ने उनका जोरदार स्वागत किया। सभा मंत्री प्रो. विट्ठलराव आर्य जी हैदराबाद से जोधपुर पहले ही पहुँच चुके थे। बाद में श्रद्धांजलि सभा में अनेक राजनीतिक, सामाजिक एवं धार्मिक नेताओं के साथ सभा प्रधान व सभा मंत्री जी भी स्व. श्री रामसिंह आर्य जी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। स्व. श्री रामसिंह आर्य जी सुपुत्री और जोधपुर की यशस्वी विधायक श्रीमती मनीषा पंवार ने सबका विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया। 2 नवम्बर रात को रेल से चलकर 3 नवम्बर को प्रातः दिल्ली पहुंचे और 3 नवम्बर की सायंकाल स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ आश्रम, रोहतक में विश्राम किया।

दीपावली के दिन ग्राम टिटौली में सार्वजनिक स्थान पर विशाल यज्ञ का आयोजन

दीपावली के दिन 4 नवम्बर को ग्राम–टिटौली में सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी के सान्निध्य में विशेष यज्ञ का आयोजन किया गया जिसमें गांव के सैकड़ों स्त्री–पुरुषों ने भाग लेकर यज्ञ में आहुतियाँ प्रदान की। इस कार्यक्रम का संयोजन स्वामी आदित्यवेश जी ने किया और स्वामी आर्यवेश जी का महर्षि दयानन्द सरस्वती के जीवन पर प्रकाश डालते हुए प्रभावशाली व्याख्यान हुआ। श्री अनिल कुमार के विशेष आग्रह पर दूसरा यज्ञ उनके निवास पर भी टिटौली गांव में किया गया जिसमें अनिल जी की बहन पूनम आर्या ने यज्ञ का विशेष संयोजन करते हुए भारी संख्या में महिलाओं एवं पुरुषों को आमंत्रित कर यज्ञ को सफल बनाया। यहाँ भी सभा प्रधान जी का सारगर्भित प्रवचन सबको सुनने को मिला।

आर्य समाज टाण्डा का वार्षिकोत्सव एवं विद्वत्त सम्मान समारोह

दो दिन आश्रम में प्रवास के पश्चात् 7 नवम्बर को स्वामी आर्यवेश जी व स्वामी आदित्यवेश जी आर्य समाज टाण्डा, जिला–अम्बेडकरनगर, उत्तर प्रदेश के वार्षिकोत्सव में सम्मिलित होने के लिए रवाना हुए। उनके साथ स्वामी प्रणवानन्द जी एवं ब्रह्मचारी जितेन्द्र पुरुषार्थी भी यात्रा कर रहे थे। टाण्डा में निरन्तर तीन दिन तक आर्य समाज का वार्षिकोत्सव रहा जिसमें सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी के अन्य विद्वानों के साथ व्याख्यान होते रहे। शोभा यात्रा में भी उनका विशेष उद्बोधन रहा। इसी दौरान श्रीमती मीरा आर्या धर्मार्थ न्यास द्वारा विद्वत सम्मान का भव्य कार्यक्रम भी आयोजित किया गया जिसमें सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी के अतिरिक्त स्वामी प्रणवानन्द जी सरस्वती, आचार्य वेद प्रकाश श्रोत्रिय, डॉ. ज्वलन्त कुमार शास्त्री, डॉ. दीनानाथ शास्त्री, डॉ. प्रियंवदा वेद भारती और श्री परमेश्वर नाथ मिश्रा अधिवक्ता को 'वेदश्री' सम्मान से विभूषित किया गया। इस विद्वत सम्मान समारोह की अध्यक्षता राजस्थान के पूर्व लोकायुक्त जस्टिस श्री सज्जन सिंह कोठारी ने की तथा इसके मुख्य अतिथि प्रसिद्ध दानवीर डॉलर फाउण्डेशन के चेयरमैन श्री दीनदयाल आर्य रहे। 'वेदश्री' सम्मान का आयोजन बड़े गरिमापूर्ण तरीके से आयोजित किया गया जिसमें श्रीमती मीरा आर्या धर्मार्थ न्यास के अध्यक्ष बाबू आनन्द कुमार आर्य, उपाध्यक्ष उनकी सुपुत्री श्रीमती ममता जायसवाल, मंत्री उनके सुपुत्र श्री अमिताभ आर्य, उपमंत्री उनकी दूसरी सुपुत्री श्रीमती मीता जायसवाल और कोषाध्यक्ष उनके सुपुत्र श्री मनीष आर्य ने बड़ी श्रद्धा और सम्मान के साथ सभी विद्वानों को शॉल, श्रीफल, प्रशस्ति पत्र एवं 51 हजार रुपये की राशि भेंट की। इस पूरे कार्यक्रम में श्री सत्यपाल सरल, डॉ. कैलाश कर्मठ, श्री केशवदेव आर्य आदि भजनोपदेशक भी सम्मिलित रहे। यज्ञ की ब्रह्मा डॉ. प्रियंवदा वेदभारती तथा वेदपाठ उनके गुरुकुल की छात्रा कुमारी माद्री आर्या व कुमारी प्रीति आर्या ने किया।

आर्य समाज कल्याणपुर, कानुपर देहात, उत्तर प्रदेश के कार्यक्रम में

टाण्डा से कार द्वारा चलकर स्वामी आर्यवेश जी व स्वामी आदित्यवेश जी आर्य समाज कल्याणपुर (कानपुर देहात) के वार्षिककोत्सव में पहुंचे जहाँ आर्य समाज अंधेरी, मुम्बई के धर्माचार्य श्री सुखवीर सिंह शास्त्री के संयोजन में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में स्वामी आर्यवेश जी व स्वामी आदित्यवेश जी के ओजस्वी व्याख्यान हुए तथा वहाँ आर्य समाज वेद भवन का शिलान्यास भी सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी के कर–कमलों से कराया गया।

हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु के निवास पर 18 नवम्बर को सामवेद पारायण यज्ञ में

हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु की सुपुत्री सौ. श्रेया के विवाह के उपलक्ष्य में उनके रोहतक स्थित निवास पर सामवेद पारायण यज्ञ में आशीर्वाद प्रदान करने के लिए सभा प्रधन स्वामी आर्यवेश जी विशेष रूप से सम्मिलित हुए। इस अवसर पर वीतराग संन्यासी स्वामी धर्मानन्द जी व यज्ञ की ब्रह्मा विदुषी बहन डॉ. सुकामा, आचार्या कन्या गुरुकुल रूड़की के सान्निध्य में सभा प्रधान जी ने बेटी श्रेया व समस्त परिजनों को शुभकामनाएँ प्रदान की। इस अवसर पर पूज्या माता परमेश्वरी देवी धर्मपत्नी स्व. चौ. मित्रसेन जी का स्वामी जी को विशेष स्नेह प्राप्त हुआ तथा परिवार की ओर से कै. रुद्रसेन जी, श्री वीरसेन आर्य, श्री ब्रतपाल आर्य, कै. अभिमन्यु, मेजर सत्यपाल सिन्धु तथा देव सुमन सिन्धु ने सभा प्रधान का अभिवादन भी किया।

ग्राम टिटौली के प्रतिष्ठित व्यक्ति ठेकेदार श्री रामचन्द्र आर्य के सुपुत्र प्रदीप कुमार के विवाह के उपलक्ष्य में उनके निवास पर विशेष यज्ञ

18 नवम्बर को प्रातः 8 से 10 बजे तक ग्राम टिटौली के ठेकेदार श्री रामचन्द्र आर्य के छोटे सुपुत्र श्री प्रदीप कुमार के विवाह के उपलक्ष्य में सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी के सान्निध्य में विशेष यज्ञ का आयोजन किया गया जिसमें स्वामी आदित्यवेश जी, बं. सहसरपाल आर्य, श्री अंकित आर्य, श्री बिरजानन्द आदि भी सम्मिलित हुए। यज्ञ के उपरान्त सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने प्रदीप कुमार तथा सभी परिवारजनों को अपनी शुभकामना प्रदान की। परिवार की ओर से स्वामी जी का विशेष सम्मान किया गया।

गंगा स्नान के मेले पर शुक्रताल में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया

टिटौली से चलकर सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी, स्वामी आदित्यवेश जी, श्री बिरजानन्द जी व श्री रामेन्द्र आर्य जी गंगा स्नान के मेले पर विविध कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए 18 नवम्बर, 2021 को सायं 9 बजे शुक्रताल पहुंचे। गुरुकुल महाविद्यालय शुक्रताल में आयोजित विशाल कार्यक्रम में रात्रि को स्वामी आर्यवेश जी व स्वामी आदित्यवेश जी के

ओजस्वी व्याख्यान हुए। इस अवसर पर श्री कुलदीप आर्य एवं श्री राजवीर आदि भजनोपदेशकों ने उपस्थित जनसमूह को अपने ओजस्वी भजनों से मंत्रमुग्ध किया। स्वामी आर्यवेश जी ने नशाबन्दी के लिए लोगों का आह्वान किया और नशा छोड़ने की अपील की।

19 नवम्बर को प्रातः 9 बजे गुरुकुल की विशाल यज्ञशाला में चल रहे सामवेद पारायण यज्ञ में स्वामी आर्यवेश जी व उनके सहयोगियों का आर्य जगत् के प्रसिद्ध संन्यासी पूज्य स्वामी आनन्दवेश जी महाराज ने विशेष अभिवादन करते हुए अपना आशीर्वाद प्रदान किया और सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी का आध्यात्मिक प्रवचन इस अवसर पर विशेष रूप से श्रोताओं को प्रभावित करने वाला रहा। कार्यक्रम के संयोजक और गुरुकुल के प्रधानाचार्य श्री प्रेमशंकर मिश्रा ने स्वामी आर्यवेश जी, स्वामी आदित्यवेश जी व श्री बिरजानन्द जी को शॉल व माल्यार्पण द्वारा सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रसिद्ध वैदिक विद्वान् आचार्य यज्ञवीर शास्त्री, स्वामी विश्वानन्द, स्वामी चन्द्रदेव आदि भी वेदी पर विराजमान थे। गुरुकुल के प्रबन्धक आदरणीय आचार्य इन्द्रपाल जी ने इस पूरे समारोह का संयोजन बड़ी कुशलता के साथ किया और स्वामी जी एवं उनके सहयोगियों का विशेष आतिथ्य उन्होंने ही संभाला। उनके साथ श्री सोमवीर व श्री श्रद्धानन्द जी भी सहयोगी रहे।

स्वामी इन्द्रवेश योगाश्रम, महर्षि दयानन्द धाम, शुक्रताल के कार्यक्रम में

गुरुकुल से चलकर सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी व उनके साथी स्वामी इन्द्रवेश योगाश्रम में पहुंचे। जहाँ ब्र. रामफल आर्य संचालक महर्षि दयानन्द धाम के संयोजन में चतुर्वेद पारायण यज्ञ की पूर्णाहुति का कार्यक्रम चल रहा था। इस यज्ञ के ब्रह्मा स्वामी सूर्यवेश जी व कन्याएँ वेदपाठ कर रही थीं। पूर्णाहुति के उपरान्त सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी का प्रभावशाली व्याख्यान हुआ और उन्होंने इस आश्रम की सहायता के लिए उपस्थित आर्यजनों से विशेष अपील की। विदित हो कि यह आश्रम ब्र. रामफल आर्य जी के अथक परिश्रम से तैयार हुआ है और इसका संचालन भी वे कर रहे हैं।

गुरुकुल चित्तौड़ा झाल, जिला–मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश में

शुक्रताल से चलकर सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी व उनके साथी स्वामी यज्ञमुनि जी के आग्रह एवं स्वामी विश्वानन्द जी के निमंत्रण पर गुरुकुल चित्तौड़ा झाल पहुँचे। गुरुकुल चित्तौड़ा झाल अत्यन्त रमणीक स्थान पर निर्मित है और यह स्वामी विश्वानन्द और स्वामी यज्ञमुनि के प्रयास से संचालित हो रहा है। सभा प्रधान जी ने गुरुकुल के संचालन के सम्बन्ध में अपने सुझाव भी दिये। गुरुकुल का भ्रमण करने के पश्चात् सभा प्रधान यमुनानगर, हरियाणा के लिए रवाना हो गये।

वैदिक ज्ञान केन्द्र यमुनानगर के कार्यक्रम में

गुरुकुल चित्तौड़ा झाल, जिला–मुजफ्फरनगर से चलकर सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी व उनके सहयोगी वैदिक ज्ञान केन्द्र वर्कशॉप रोड, जगाधरी, यमुनानगर पहुँचे। जहाँ पर वैदिक ज्ञान केन्द्र के संस्थापक व संचालक प्रसिद्ध संन्यासी स्वामी सच्चिदानन्द जी महाराज द्वारा दो दिन का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में स्वामी आर्यवेश जी, स्वामी आदित्यवेश जी, श्री लाजपत राय चौधरी करनाल, प्रो. आनन्द सिंह आर्य केन्द्रीय सभा करनाल आदि के व्याख्यान हुए तथा दिल्ली की श्रीमती कविता आर्या जी के भजनों का कार्यक्रम भी रहा।

शम्भू दयाल आर्य वैदिक संन्यास आश्रम, गाजियाबाद में स्व. प्रो. रतन सिंह जी एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती जया कुमारी की स्मृति में दलित एवं बाल्मिकी समाज के सम्मान का हुआ आयोजन

शम्भूदयाल वैदिक संन्यास आश्रम, दयानन्दनगर, गाजियाबाद (उ. प्र.) ने आश्रम परिसर में बाल्मिकी समाज के लोगों को कार्यक्रम आदि करने के लिए खोला द्वार

प्रिय बन्धुओं,

भारत के संविधान के अनुच्छेद–17 द्वारा पूरे देश में छूआछूत समाप्त करने का प्राविधान किया गया है। परन्तु फिर भी समाज में गरीब, मजदूर, कमजोर वर्ग के साथ भेदभाव अभी भी जारी है। छूआछूत आदि अमानवीय कुरीतियों के खिलाफ स्वामी दयानन्द सरस्वती जी ने पूरे देश में जन–जागृति फैलाकर लोगों को जागरूक करने का कार्य किया और उन्होंने मानव को मानव से प्रेम करने के लिए प्रेरित किया। आर्य समाज अपने प्रारम्भिक काल से ही समाज में जातिवाद, नशाखोरी एवं अन्य कुरीतियों का विरोध करता रहा है और दलितोद्वार के लिए विशेष प्रयास करता आ रहा है। वर्तमान समय में अधिकांश लोग शिक्षित हो चुके हैं, परन्तु फिर भी लोगों के मन में जातिवादी मानसिकता व्याप्त रहती है जो समाज के लिए घातक है। एक सभ्य समाज का निमार्ण करने के लिए मनुष्य को मनुष्य के प्रति प्रेम को बढ़ाना होगा और समाज में पिछड़े हुए लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य करना होगा तभी हमारा देश सही मायने में उन्नति कर सकता है।

समाज में फैले पाखण्ड, अन्धविश्वास, नशाखोरी, व्यभिचार, अत्याचार एवं अन्य कुरीतियों के विरुद्ध आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानन्द जी सरस्वती ने बड़े स्तर पर संघर्ष किया और स्वामी दयानन्द जी द्वारा दिखाये गये रास्ते पर चलकर आर्य समाज के अनुयायियों ने समाज का उत्थान करने का प्रयास हमेशा से करते आ रहे हैं।

दिनांक 20 नवम्बर, 2021 को संन्यास आश्रम, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में युवा विद्वान श्री सत्यकेतु सिंह एडवोकेट ने अपनी पूज्या माता स्व. श्रीमती जया कुमारी व पूज्य पिता प्रो. रतन सिंह जी की स्मृति में सभा का आयोजन किया। स्मृति दिवस के अवसर पर भव्य यज्ञ का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 45 बाल्मिकी बन्धुओं ने सम्मिलित होकर यज्ञ में आहुति दी। इस अवसर पर सम्मिलित हुए लोगों का सम्मान भी किया गया।

इस अवसर पर सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान व संन्यास आश्रम, गाजियाबाद के अध्यक्ष श्रद्धेय स्वामी आर्यवेश जी ने भी कार्यक्रम में उपस्थित होकर अपना आशीर्वाद प्रदान किया और उन्होंने आश्रम की ओर से यह भी घोषणा की कि गाजियाबाद महानगर के बाल्मिकी समाज व दलित समाज के लिए संन्यास आश्रम, गाजियाबाद के द्वार हमेशा खुले रहेंगे। आर्य समाज का उद्देश्य है कि समाज के सभी लोगों को आगे लाकर मुख्यधारा से जोड़ने का रहता है। कोई भी बाल्मिकी बंधु व दलित बंधु अपने परिजनों के जन्मदिन, विवाह संस्कार, वर्षगांठ व नामकरण संन्यास आश्रम, गाजियाबाद के परिसर में पूर्ण वैदिक रीति से निःशुल्क सम्पन्न करा सकते हैं। संन्यास आश्रम की ओर से ऐसे अवसरों पर यथायोग्य सहयोग प्रदान किया जायेगा। बाल्मिकी समाज व दलित समाज के लोगों को पूर्णतः आश्वस्त होकर संन्यास आश्रम की इस सुविधा का लाभ उठाना चाहिए और सम्मान पूर्वक समाज की मुख्यधारा से जुड़ना चाहिए।

निवेदक–डॉ. सत्यपति, आचार्य, शम्भूदयाल, दयानन्द वैदिक संन्यास आश्रम, दयानन्द नगर, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश), मो.:–9528266104

श्री बिजेन्द्र गिल के बेटे के विवाहोत्सव में

यमुनानगर से 21 नवम्बर को सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी, स्वामी आदित्यवेश जी व श्री बिरजानन्द एडवोकेट सी.आई.एस.एफ. के इंस्पेक्टर श्री बिजेन्द्र गिल के बेटे के विवाह समारोह में आशीर्वाद प्रदान करने हेतु फतेहाबाद जिले के ग्राम–चूली खुर्द में पहुंचे और वर–वधु को अपना आशीर्वाद प्रदान कर रात को गुरुकुल धीरणवास, हिसार में विश्राम किया।

गुरुकुल धीरणवास में यज्ञ

22 नवम्बर, 2021 को प्रातः 8 से 10 बजे तक गुरुकुल धीरणवास में यज्ञ में सम्मिलित होकर ब्रह्मचारियों एवं गुरुकुल के अध्यापकों को विशेष उद्बोधन सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने दिया और गुरुकुल के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उनके साथ गुरुकुल प्रबन्ध समिति के प्रधान स्वामी आदित्यवेश जी, आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के प्रधान श्री बिरजानन्द एडवोकेट, गुरुकुल के छात्रावास के प्रबन्धक श्री सोनू आर्य भी उपस्थित थे।

डॉ. अनूप सिंह आर्य जिला–मुकलान, हिसार के पुत्र के विवाहोत्सव में

22 नवम्बर को गुरुकुल धीरणवास से चलकर सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी व उनके साथी ग्राम–मुकलान पहुंचे, जहाँ गुरुकुल प्रबन्ध समिति के सदस्य और वयोवृद्ध आर्य नेता चौ. बदलूराम आर्य के भतीजे डॉ. अनूप सिंह आर्य के सुपुत्र के विवाहोत्सव में सम्मिलित होकर परिवारजनों को अपनी शुभकामनाएँ प्रदान की।

आर्य समाज मोखरा, जिला–रोहतक के उत्सव में

आर्य समाज मोखरा, जिला–रोहतक के वार्षिकोत्सव में 27 नवम्बर, 2021 को सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी सम्मिलित हुए। आर्य समाज की ओर से गाँव के राजकीय उच्च विद्यालय एवं राजकीय कन्या उच्च विद्यालय के हजारों छात्र–छात्राओं का सामूहिक कार्यक्रम आयोजित किया था जिसमें बहन कल्याणी आर्या एवं श्री सहदेव बेधड़क के भजनों के अतिरिक्त सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी का विशेष उद्बोधन हुआ। स्वामी जी ने छात्र–छात्राओं को अनेक उपयोगी दृष्टान्त एवं उदाहरण सुनाकर जीवन में सात्विकता, सेवा, परोपकार, ईश्वरभक्ति, माता–पिता एवं राष्ट्र के प्रति अपनी कृतज्ञता आदि विषयों पर लगभग डेढ़ घण्टे तक प्रेरणा दी और उनके प्रश्नों के भी उत्तर दिये। इस कार्यक्रम को सभी छात्र–छात्राओं ने एवं स्कूलों के अध्यापकों ने अत्यन्त पसन्द किया और उन्होंने इच्छा व्यक्त की कि स्वामी जी हमारे विद्यालयों में समय–समय पर आकर छात्रों को अपने उपदेशामृत से कृतार्थ करते रहें। आर्य समाज के प्रधान श्री कपूर सिंह मलिक, मंत्री श्री राजवीर मलिक, श्री संजय आर्य व श्री राजेन्द्र सिंह आर्य आदि महानुभाव भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

महाशय कर्मवीर आर्य की स्मृति में ग्राम–खरकड़ा, जिला–रोहतक में आयोजित शांति यज्ञ में श्रद्धांजलि अर्पित की

28 नवम्बर, 2021 को आर्य समाज खरकड़ा, जिला–रोहतक के प्रधान कर्मठ कार्यकर्ता स्व. महाशय कर्मवीर आर्य जी के असामयिक निधन पर उनकी स्मृति में आयोजित शांति यज्ञ में सम्मिलित होकर सभा प्रधान जी ने श्रद्धांजलि अर्पित की और परिवारजनों को सांत्वना दी। महाशय कर्मवीर आर्य के इस शांति यज्ञ में स्वामी आदित्यवेश जी, श्री बिरजानन्द जी, श्री रामनिवास नारनौल, बहन पूनम व प्रवेश आर्या, आर्य भजनोपदेशिका बहन कल्याणी आर्या व बहन मुकेश आर्या, श्री रामेन्द्र आर्य, ब्र. सहसरपाल आर्य व ब्र. रामफल आर्य, आर्य समाज फरमाणा के प्रधान श्री नफे सिंह आर्य व मंत्री डॉ. राजेश आर्य, श्री बलराज सिंह आर्य एवं महाशय कर्मवीर जी के बड़े भ्राता श्री राजमल सिंह आर्य आदि उपस्थित थे।

इस अवसर पर कर्मवीर आर्य के छोटे भाई श्री राजवीर सिंह ने सभी आगन्तुक महानुभावों का धन्यवाद किया। परिवार की ओर से 11 हजार रुपये की राशि स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ आश्रम के लिए प्रदान की गई।

आचार्य सन्तराम आर्य जी की कुशल क्षेम जानने के लिए उनसे भेंट

आचार्य सन्तराम आर्य लम्बे समय से अस्वस्थ रहने के उपरान्त स्वास्थ्य लाभ कर रहे थे। उनका कुशल क्षेम जानने के लिए सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी, श्री बिरजानन्द जी, स्वामी आदित्यवेश जी, ब्र. रामफल जी, श्री रामनिवास जी, ब्र. सहसरपाल जी आदि उनके निवास पर भेंट करने के लिए पहुंचे और उनके साथ कुछ समय बिताया। सभी ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

श्री राजवीर वशिष्ट के परिवार में उनकी पौत्री के विवाहोत्सव में

ग्राम–खरखड़ा से लौटने के बाद सभा प्रधान व उनके सभी साथी स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ के मुख्य स्तम्भ श्री राजवीर वशिष्ठ के परिवार में उनकी पौत्री के विवाहोत्सव में सम्मिलित हुए और परिवारजनों को शुभकामनाएँ दी।

श्री अश्विनी शर्मा की बहन की शादी में ग्राम–दहिना जिला–रेवाड़ी में

अग्निलोक आश्रम बहलपा के व्यवस्थापक श्री अश्विनी कुमार शर्मा के निमंत्रण पर उनके मामा की सुपुत्री के विवाह में उनके ग्राम–दहिना, जिला–रेवाड़ी में 28 नवम्बर सायंकाल स्वामी आर्यवेश जी ने परिवारजनों को शुभकामनाएं दी।

श्री सुन्दर यादव के निवास पर कार्यकर्ताओं से भेंट

श्री अश्विनी कुमार शर्मा की बहन की शादी में सम्मिलित होने के उपरान्त बंधुआ मुक्ति मोर्चा के महामंत्री स्व. प्रो. श्योताज सिंह जी के भतीजे श्री सुन्दर यादव जी के निवास पर जाकर सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने कार्यकर्ताओं से भेंट की और भावी कार्यक्रमों के बारे में विचार–विमर्श किया। श्री सुन्दर यादव ने स्वामी जी का विशेष आतिथ्य एवं सत्कार किया। ग्राम जैनाबाद, जिला–रेवाड़ी से सभा प्रधान जी दिल्ली पहुँचे और सभा कार्यालय में विश्राम किया।

श्री बलवान सिंह जी की पूज्या माता के देहावसान पर श्रद्धांजलि सभा में भाग लिया

1 दिसम्बर, 2021 को ग्राम–कंडेला, जिला–जीन्द, हरियाणा के श्री बलवान सिंह आर्य की पूज्या माता जी के देहावसान के उपरान्त आयोजित श्रद्धांजलि सभा में सम्मिलित होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की और परिवारजनों को सांत्वना दी।

गुरुकुल धीरणवास के वार्षिकोत्सव में

स्वामी सर्वदानन्द जी महाराज द्वारा स्थापित गुरुकुल धीरणवास, हिसार के वार्षिकोत्सव में भाग लेने के लिए 3 दिसम्बर, 2021 को सायं गुरुकुल पहुंचे और दो दिन गुरुकुल के वार्षिकोत्सव में उपस्थित रहकर सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने मुख्य वक्ता के रूप में विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर अपने विचार प्रस्तुत किये। उन्होंने इस अवसर पर हिसार, सिरसा, भिवानी आदि जिलों से पधारे आर्य समाज के कर्मठ कार्यकर्ताओं से विचार–विमर्श भी किया। विदित हो कि सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी गुरुकुल धीरणवास के कुलपति एवं स्वामी आदित्यवेश जी गुरुकुल प्रबन्ध समिति के प्रधान पद को सुशोभित कर रहे हैं। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में अनेक गणमान्य लोगों ने सम्मिलित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कई गुरुकुलों के ब्रह्मचारी भी इसमें सम्मिलित हुए।

श्री युद्धवीर सुपुत्र श्री ओम प्रकाश की बेटी के विवाहोत्सव में

5 दिसम्बर को गुरुकुल धीरणवास के वार्षिकोत्व के पश्चात् रात्रि को ग्राम–सुंडाना, जिला–रोहतक में श्री ओम प्रकाश आर्य की पौत्री के विवाह में शामिल होकर परिवारजनों को शुभकामनाएं देते हुए बेटी को आशीर्वाद दिया। विदित हो कि श्री ओम प्रकाश आर्य पूज्य स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज के छोटे भाई हैं।

बंधुआ मुक्ति की कार्यकारिणी की बैठक

6 दिसम्बर, 2021 को बंधुआ मुक्ति की कार्यकारिणी की बैठक केन्द्रीय कार्यालय, 7, जन्तर–मन्तर रोड, नई दिल्ली में सम्पन्न हुई। सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी बंधुआ मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष होने के नाते उक्त बैठक में सम्मिलित हुए। बैठक में मोर्चा के भावी कार्यक्रमों पर विशेष विचार–विमर्श किया गया। विदित हो कि पूज्य स्वामी अग्निवेश जी महाराज के देहावसान के उपरान्त बंधुआ मुक्ति मोर्चा के कार्यों का दायित्व भी स्वामी आर्यवेश जी ने संभाला हुआ है और उनके नेतृत्व में मोर्चा की गतिविधियाँ सुचारू रूप से चल रही हैं।

चौ. जगदीश सिंह, ग्राम–रठौड़ा, जिला–बागपत की स्मृति में आयोजित शांति यज्ञ में

8 दिसम्बर को ग्राम–रठौड़ा, जिला–बागपत के प्रतिष्ठित चौ. जगदीश सिंह के असामयिक निधन के उपरान्त उनकी स्मृति में उनके पैतृक गांव रठौड़ा, जिला–बागपत में आयोजित शांति यज्ञ में सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी व स्वामी आदित्यवेश जी विशेष रूप से सम्मिलित हुए और दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। विदित हो कि चौ. जगदीश सिंह जी आर्य समाज के कर्मठ कार्यकर्ता श्री अवनीश आर्य के ताऊ जी व श्री ओमवीर सिंह जी के पूज्य पिता जी थे। श्री ओमवीर सिंह जी बागपत के सांसद डॉ. सत्यपाल सिंह जी के सुरक्षा अधिकारी हैं। इस शांति यज्ञ में सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी के अतिरिक्त डॉ. भोपाल सिंह छपरौली, मानव सेवा प्रतिष्ठान के कार्यकारी अध्यक्ष श्री रामपाल शास्त्री, श्री राजेन्द्र आर्य, ठेकेदार श्री विक्रम सिंह कंडेरा, श्री विक्रम सिंह राणा व श्री मांगेराम आर्य निरपुड़ा, श्री शिव कुमार आर्य सबगा, श्री धर्मेन्द्र आर्य छपरौली आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे। शांति यज्ञ के उपरान्त श्रद्धांजलियाँ देने का कार्यक्रम रहा जिसमें डॉ. भोपाल सिंह व स्वामी आर्यवेश जी ने अपने प्रवचनों से परिवारजनों को सांत्वना दी। इस कार्यक्रम का संचालन श्री रामपाल शास्त्री जी ने किया।

स्व. आचार्य वेदव्रत शास्त्री जी के 89वें जन्मदिवस पर उनके निवास पर विशेष यज्ञ में भाग लिया

8 दिसम्बर, को ही सायं 5 बजे रठौड़ा, बागपत से लौटकर आर्य समाज के प्रसिद्ध विद्वान आचार्य प्रिंटिंग प्रेस के संस्थापक स्व. आचार्य वेदव्रत शास्त्री जी के 89वें जन्मदिवस के अवसर पर उनके रोहतक स्थित निवास पर विशेष यज्ञ रखा गया। जिसमें मुख्य रूप से स्व. शास्त्री जी के चारों सुपुत्र सपत्नीक यजमान बने और स्वामी आर्यवेश जी तथा स्वामी आदित्यवेश जी ने यज्ञ सम्पन्न कराया। यज्ञ का आयोजन शास्त्री जी के छोटे सुपुत्र डॉ. विवेकानन्द जी शास्त्री के निवास पर किया गया था। इसमें श्री विनोद कुमार, श्री विजय आर्य एवं श्री विक्रम आर्य सपत्नीक यज्ञ में सम्मिलित हुए। यज्ञ के उपरान्त स्वामी द्वय का परिवार की ओर से विशेष आभार एवं सम्मान किया गया।

प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन जीन्द

प्रतिवर्ष की भांति प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन 12 दिसम्बर, 2021 को महर्षि दयानन्द पार्क अर्बन स्टेट जीन्द में विशाल स्तर पर आयोजित किया गया। इस सम्मेलन का संयोजन एवं सम्पूर्ण दायित्व आर्य समाज के तपोनिष्ठ संन्यासी, नशाबन्दी परिषद् के अध्यक्ष एवं आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के प्रधान स्वामी रामवेश जी के कंधों पर था। स्वामी रामवेश जी ने विशेष परिश्रम करके प्रतिवर्ष यह प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन जीन्द में आयोजित करते हैं और यह महीने के दूसरे रविवार को आयोजित होता है। इस सम्मेलन के माध्यम से स्वामी जी सैकड़ों गांवों एवं कस्बों में जन–सम्पर्क करके आर्यजनों को आमंत्रित करते हैं तथा उन्हें वेद प्रचार के लिए भी प्रेरित करते हैं। महासम्मेलन में सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी की अध्यक्षता में कई सम्मेलन रखे गये जिनमें अनेक विद्वानों ने सम्मिलित होकर अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में मुख्य रूप से स्वामी आदित्यवेश जी, स्वामी नित्यानन्द जी, स्वामी हरिदत्त उपाध्याय, आचार्य राजेन्द्र जी गुरुकुल कालवा, इण्डस स्कूल के निदेशक श्री सुभाष श्योराण, श्री रणधीर सिंह रेढू एडवोकेट, श्री देवेन्द्र सिंह सैनी व श्री

दलवीर सिंह आर्य हिसार, श्री इन्द्रजीत आर्य नरवाना, प्रिं. आजाद सिंह सोनीपत, श्री बाबूलाल आर्य भिवानी, श्री राजवीर शास्त्री गुलाढी पंजाब, बहन प्रवेश व बहन पूनम आर्या, श्री सूरजमल आर्य जुलानी, श्री जगफूल सिंह ढिल्लो आदि ने सम्बोधित किया। आर्य समाज के प्रसिद्ध भजनोपदेशक श्री सहदेव बेधड़क, श्री नरेश निर्मल, श्री हवा सिंह तूफान व श्री सुनील शास्त्री आदि के ओजस्वी भजन भी लोगों को सुनने को मिले। इस अवसर पर स्वामी आर्यवेश जी का मुख्य उद्‌बोधन हुआ। पूरे कार्यक्रम का संयोजन स्वामी रामवेश जी ने किया।

श्री सत्यपाल आर्य सरपंच, ग्राम–जाजवान, जिला–जीन्द की बेटी के विवाहोत्सव में

13 दिसम्बर, 2021 को स्वामी आर्यवेश जी, स्वामी आदित्यवेश जी, श्री राजवीर वशिष्ठ, स्वामी रामवेश जी, वैद्य शिरोमणि आर्य, श्री रणधीर सिंह रेढू एडवोकेट, श्री दयानन्द आर्य अहीरका आदि ग्राम जाजवान, जिला–जीन्द में पूर्व सरपंच श्री सत्यपाल आर्य की बेटी के विवाह में सम्मिलित हुए और परिवारजनों को शुभकामनाएं दी। इस अवर पर आर्य समाज के कर्मठ कार्यकर्ता डॉ. राजपाल आर्य ने सभा प्रधान जी व अन्य सभी आर्य नेताओं का अपने निवास पर विशेष सम्मान किया।

कन्या गुरुकुल दबथला (परिक्षित गढ़) मेरठ, उत्तर प्रदेश के वार्षिकोत्सव में

17, 18 व 19 दिसम्बर, 2021 को विशाल स्तर पर आयोजित कन्या गुरुकुल दबथला के उत्सव में सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी एवं युवा संन्यासी स्वामी आदित्यवेश जी, श्री ऋषिराज शास्त्री जी, स्वामी देवेश्वरानन्द जी, ब. सहसरपाल एवं वैद्य शिरोमणि आर्य आदि 17 दिसम्बर को उद्‌घाटन समारोह में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर यज्ञ के ब्रह्मा स्वामी अखिलानन्द सरस्वती के द्वारा यज्ञ सम्पन्न कराया गया और तदोपरान्त सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी का ओजस्वी उद्‌बोधन हुआ। उन्होंने गुरुकुल शिक्षा प्रणाली और वर्तमान मैकाले की शिक्षा प्रणाली की तुलनात्मक समीक्षा करते हुए गुरुकुल शिक्षा प्रणाली के महत्त्व पर विशेष प्रकाश डाला। गुरुकुल के प्रबन्धक श्री प्रमोद कुमार शास्त्री जी ने स्वामी जी का स्मृति चिन्ह भेंटकर विशेष सम्मान किया उनके साथ स्वामी आदित्यवेश जी को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। गुरुकुल की आचार्या बहन सोनिया जी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर मध्यान्ह के सत्र में आर्य जगत के दानवीर भामाशाह कर्मठ आर्य नेता ठा. विक्रम सिंह जी भी पहुंच चुके थे। सभा प्रधान जी से उन्होंने आर्य समाज के प्रचार–प्रसार के सम्बन्ध में विशेष चर्चा भी की। इस अवसर पर स्वामी विज्ञानानन्द जी, स्वामी देवेश्वरानन्द जी, आचार्य धंनजय जी, ब्र. सहसरपाल आर्य जी का भी सम्मान किया गया।

राष्ट्रीय योग टूर्नामेंट का ग्राम नांगल ठाकरान, दिल्ली में सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने किया उद्‌घाटन

18 दिसम्बर, 2021 को प्रातः 11 बजे से मध्यान्ह 2 बजे तक सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी व युवा संन्यासी स्वामी आदित्यवेश जी ग्राम नांगल ठाकरान, दिल्ली में मानवीय निर्माण मंच द्वारा आयोजित राष्ट्रीय योग टूर्नामेंट में मुख्यअतिथि के रूप में सम्मिलित हुए तथा टूर्नामेंट का उद्‌घाटन किया। इस टूर्नामेंट में लगभग 15 प्रदेशों के योग प्रतिभागी सम्मिलित हुए। विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों में विशेष उत्साह देखकर सभा प्रधान जी ने उनकी विशेष प्रशस्ति की। इस सम्पूर्ण कार्यक्रम के आयोजन में श्री बलराम आर्य मिर्जापुर, फरीदाबाद व श्री उत्तम देव आर्य ग्राम–नांगल ठाकरान की मुख्य भूमिका रही। कार्यक्रम में कई स्थानों से पधारे हुए प्रतिभागियों ने अपनी शानदार प्रस्तुति देकर लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया। सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी का उद्‌बोधन विशेष प्रेरणा देने वाला था जिसे हजारों की संख्या में उपस्थित योग प्रेमियों ने हृदयंगम किया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित आदर्श शिक्षक श्री मनोज लाकड़ा, प्रिं. होशियार सिंह के भतीजे श्री अरुण ठाकरान एवं अन्य गणमान्य महानुभावों की विशेष उपस्थिति रही। श्री गुरमेश आर्य पलवल ने भी अपनी विशेष प्रस्तुति देकर योग के प्रति लोगों को प्रेरित किया।

आर्य समाज किशनपोल बाजार, जयपुर के वार्षिकोत्सव एवं आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान की अन्तरंग की बैठक में

18 दिसम्बर, 2021 को दिल्ली से जयपुर के लिए प्रस्थान किया तथा बहरोड़ से आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के प्रधान श्री बिरजानन्द जी व सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् हरिणा के पूर्व प्रधान श्री रामनिवास आर्य जी को साथ लेकर सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी व स्वामी आदित्यवेश जी सायं 7.30 बजे जयपुर पहुँचे तथा स्व. श्री सत्यव्रत सामवेदी जी की धर्मपत्नी श्रीमती मृदुला सामवेदी जी से मिलने के लिए उनके निवास पर गये। श्रीमती मृदुला सामवेदी जी आर्य समाज आदर्शनगर, राजापार्क जयपुर की प्रधाना हैं और आर्य समाज तथा उससे सम्बद्ध समस्त संस्थाओं की देख–रेख बड़ी कुशलता से कर रही हैं। उनके साथ विचार–विमर्श करने बाद निश्चय हुआ कि स्व. श्री सामवेदी जी का स्मृति ग्रन्थ तैयार किया जाये जिसमें उनके जीवन परिचय एवं विविध कार्यों का विस्तार से वर्णन प्रकाशित हो। इस कार्य को आर्य समाज आदर्श नगर, जयपुर के सहयोग से पूरा किया जायेगा। आदरणीया बहन मृदुला शास्त्री जी ने सभा प्रधान जी के इस प्रस्ताव को सहर्ष स्वीकार किया और कहा कि आपने मेरे मन की बात कही है और मैं भी चाहती हूँ कि स्व. श्री सामवेदी जी की स्मृतियों को लिपिबद्ध कर ग्रन्थ रूप में प्रकाशित किया जाये। रात्रि विश्राम आर्य समाज आदर्शनगर, जयपुर में किया।

आर्य समाज किशनपोल बाजार का वार्षिकोत्सव 19 दिसम्बर को प्रातः 10 बजे सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी, आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के प्रधान श्री बिरजानन्द जी, युवा संन्यासी स्वामी आदित्यवेश जी व श्री रामनिवास जी, आर्य समाज किशनपोल बाजार के वार्षिकोत्सव में सम्मिलित हुए। यज्ञ के उपरान्त सभी यजमानों को स्वामी आर्यवेश जी ने अपना आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर यज्ञ के ब्रह्मा एवं आर्य समाज आदर्शनगर के धर्माचार्य पं. जानकी प्रसाद शास्त्री एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सरला शास्त्री जी ने बड़ी विद्वतापूर्ण तरीके से यज्ञ सम्पन्न कराया। आर्य समाज के प्रधान श्री ओम प्रकाश वर्मा व आर्य समाज के मंत्री श्री कमलेश शर्मा जी ने सारे कार्यक्रम की व्यवस्था की। यज्ञ के उपरान्त आर्य समाज के ऊपर वाली मंजिल में एक विशाल नये कक्ष का उद्‌घाटन सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी के कर–कमलों से कराया गया। उद्‌घाटन के अवसर पर वेद मंत्रों का उच्चारण कर वैदिक विधि से कार्यवाही सम्पन्न हुई और सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने वैदिक धर्म की जय के नारे बोलकर नये कक्ष में प्रवेश कराया। जलपान के उपरान्त मुख्य सभागार में कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ जिसमें युवा संन्यासी स्वामी आदित्यवेश जी, राजस्थान सभा के प्रधान श्री बिरजानन्द जी, संगीत के विद्यार्थी श्री जितेन्द्र आर्य आदि ने अपने विचार प्रस्तुत किये। मुख्य रूप से सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी का उद्‌बोधन आर्य समाज के कार्यों को गति प्रदान करने के लिए प्रेरणादायक रहा। उन्होंने राम प्रसाद बिस्मिल का स्मरण करते हुए कहा कि आज राम प्रसाद बिस्मिल का बलिदान दिवस है। अतः हमें भी अपने राष्ट्र के निर्माण एवं उत्थान के लिए संकल्प लेना चाहिए। वर्तमान समय में हमारा राष्ट्र विभिन्न ज्वलन्त समस्याओं से जूझ रहा है। ऐसे में राम प्रसाद बिस्मिल की तरह से आर्य युवकों को आगे आना चाहिए और अपना जीवन राष्ट्र के उत्थान में लगाना चाहिए।

इस अवसर पर आर्य समाज की ओर से सभी अतिथियों का सम्मान किया गया तथा शॉल व स्मृति चिन्ह भेंट किये गये। सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी के अतिरिक्त राजस्थान सभा के प्रधान श्री बिरजानन्द जी, स्वामी आदित्यवेश जी, श्री राम निवास जी, श्री नारायण सिंह आर्य जोधपुर, श्री भंवरलाल आर्य जोधपुर, श्री चांदमल आर्य जोधपुर, श्री राजेन्द्र आर्य अजमेर, श्री भंवरलाल आर्य अटवाल, श्री विकास आर्य जोधपुर, श्री उम्मेद सिंह आर्य जोधपुर, श्री जितेन्द्र सिंह आर्य जोधपुर आदि के नाम उल्लेखनीय हैं। मंच का संचालन आर्य समाज के प्रधान श्री ओम प्रकाश वर्मा ने किया और सम्पूर्ण व्यवस्था का दायित्व आर्य समाज के मंत्री श्री कमलेश शर्मा ने संभाला। उन्होंने सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी का विशेष आभार जताया।

आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान की अन्तरंग सभा की बैठक

आर्य समाज किशनपोल बाजार के वार्षिकोत्सव के समापन पर भोजनोपरान्त आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान की बैठक प्रारम्भ हुई। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी के सान्ध्यि में बैठक की अध्यक्षता राजस्थान सभा के प्रधान श्री बिरजानन्द एडवोकेट ने की। सर्वप्रथम दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि देते हुए शोक प्रस्ताव पास किया गया। तदोपरान्त सभा की गत कार्यवाही का विवरण सभा के युवा मंत्री श्री कमलेश शर्मा ने पढ़कर सुनाया। एक दो सुझावों के साथ कार्यवाही की सम्पुष्टि की

गई। वर्तमान बैठक के मुख्य विषयों पर चर्चा करते हुए सभा के कार्यों को और अधिक तन्मयता एवं जिम्मेदारी के साथ करने का निश्चय किया गया। यह भी निर्णय लिया गया कि सभी पुरानी आर्य समाजों को सक्रिय किया जायेगा और नई आर्य समाजों का गठन किया जायेगा। आने वाले दिनों में राजस्थान के विभिन्न जिलों में वेद प्रचार यात्राएँ निकालकर सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जन–जागरण अभियान चलाया जायेगा। देश में बढ़ते हुए धार्मिक अन्धविश्वास एवं पाखण्ड, नशाखोरी, जातिवाद एवं साम्प्रदायिकता आदि मुद्दों पर प्रचण्ड अभियान के द्वारा सम्पूर्ण राजस्थान में आर्य प्रतिनिधि सभा जन–जागरण करेगी और युवाओं तथा महिलाओं को विशेष रूप से आर्य समाज के साथ जोड़ने का कार्य करेगी। उपस्थित सभी सदस्यों ने अपने सुझाव देकर बैठक में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्री बिरजानन्द जी ने सभी अन्तरंग सदस्यों एवं पदाधिकारियों से आग्रह किया कि वे आर्य समाज के कार्यों में अधिक से अधिक समय देकर आज तैयार की गई योजनाओं को क्रियान्वित करें।

सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने भी अन्तरंग सदस्यों को उत्साहित करते हुए प्रेरित किया कि वर्तमान समय में आर्य समाज की ओर सम्पूर्ण राष्ट्र आस्था भरी निगाह से देख रहा है। अतः हमें अपने कार्यों को और अधिक तीव्रता के साथ करना चाहिए। लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए उनका सहयोग करना चाहिए। आर्य समाज सदैव औरों के दुःख दर्द को अपना दुःख दर्द मानकर कार्य करता रहा है। इसीलिए आर्य समाज की प्रतिष्ठा सर्वाधिक रही है। आज फिर से आर्य समाज को अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने की जरूरत है। अन्त में शांति पाठ के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

ओ३माश्रय सेवाधाम में सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने रोगियों को पिलाई दवाई

आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान की अन्तरंग की बैठक के बाद सभा प्रधान जी मानव निर्माण एवं विश्व शांति संस्थान जयपुर द्वारा संचालित ओ३माश्रय सेवाधाम (निराश्रित, असहाय एवं विमंदितो की सेवा का पावन तीर्थ) में इस सेवाधाम के संचालक राजस्थान आर्य युवक परिषद् के अध्यक्ष श्री यशपाल 'यश' के निमंत्रण पर पहुँचे और वहाँ रोगियों को औषधि एवं विशेष खीर वितरित की। यह ओ३माश्रय सेवाधाम उन आश्रयहीन, असहाय व बीमार लोगों को मृत्यु का शिकार होने से बचाने के लिए कृत संकल्प है जो जीवन के दुःखद पड़ाव पर प्लेटफार्म, बस–स्टैंड, सार्वजनिक व धार्मिक स्थलों पर पड़े कष्टों को झेल रहे होते हैं। उनकी यह हालत पारिवारिक उपेक्षा एवं झगड़े, असमय माता–पिता का साथ छूट जाने, नशे की लत एवं अन्य सम–सामयिक परिस्थितियों के कारण हो जाती है। सेवा एवं संसाधनों के अभाव में इन लाचारों को असीम गन्दगी के साथ नारकीय जीवन जीने को मजबूर होना पड़ता है। ओ३माश्रय में इन असहायों पीड़ितों (प्रभुजी) का उपचार व देखभाल की जाती है। साथ ही इनके परिवार का पता लगाने का प्रयास किया जाता है और उनके परिवार का पता लग जाने पर तथा उनके ठीक हो जाने पर उनका परिवार में पुर्नवास किया जाता है। निःसंदेह यह कार्य अनुपम सेवा का कार्य है। श्री यशपाल 'यश' जो सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् के प्रारम्भ से ही कर्मठ कार्यकर्ता एवं नेता रहे हैं। उनके प्रयास से यह कार्य जयपुर में विशेष रूप से प्रशस्ति प्राप्त कर रहा है और इस सेवा के कार्य में अनेक प्रतिष्ठित लोग सहयोग कर रहे हैं। सेवाधाम में सभा प्रधान व उनके साथ आये राजस्थान सभा के प्रधान श्री बिरजानन्द जी, स्वामी आदित्यवेश जी, श्री रामनिवास जी व श्री देवेन्द्र त्यागी जी आदि को सम्मानित किया गया। यहीं पर भोजन करके सभा प्रधान जी व उनके साथ बहरोड़ के लिए चल पड़े और रात्रि विश्राम बहरोड़ में किया।

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक के संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. सुरेन्द्र कुमार जी के सुपुत्र के विवाह के उपरान्त आशीर्वाद समारोह में

20 दिसम्बर, 2021 को बहरोड़ से चलकर सायं 7 बजे महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक के कम्युनिटी सेन्टर में आयोजित डॉ. सुरेन्द्र कुमार जी के सुपुत्र के विवाहोपरान्त आशीर्वाद समारोह में सम्मिलित हुए तथा परिवारजनों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर आर्य समाज के अनेक गणमान्य विद्वानों से भी भेंट हुई जिनमें मुख्य रूप से स्वामी प्रणवानन्द जी सरस्वती, आचार्य विजयपाल जी, श्री बिरजानन्द देवकरणी, श्री रामपाल शास्त्री, श्री सोमदेव शास्त्री, प्रिं. रणधीर सिंह शास्त्री, डॉ. रणवीर सिंह केन्द्रीय विश्वविद्यालय पाली, डॉ. विवेकानन्द शास्त्री, आचार्य सत्यव्रत जी, श्री भूपेश शास्त्री, डॉ. निखिल कुमार, डॉ. मनुदेव शास्त्री आदि के नाम उल्लेखनीय हैं। डॉ. सुरेन्द्र कुमार जी ने सभा प्रधान जी का आभार जताया।

पतंजलि योग पीठ, हरिद्वार में

22 दिसम्बर, 2021 को प्रातः 11 बजे पतंजलि योग पीठ, हरिद्वार में पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज से भेंट का समय निश्चित था। सभा प्रधान जी के साथ श्री बिरजानन्द जी, स्वामी आदित्यवेश जी, श्री रामनिवास जी भी हरिद्वार के लिए रवाना हुए। ठीक 11 बजे पतंजलि योग पीठ पहुंचे और वहाँ से योग ग्राम में स्वामी रामदेव जी महाराज से मिलने के लिए गये। किन्तु किसी आवश्यक कार्यवश सभा प्रधान जी व उनके सहयोगियों के पहुंचने से लगभग एक घण्टे पूर्व स्वामी रामदेव जी महाराज अपने व्यक्तिगत जहाज से अन्य कार्यक्रम में चले गये थे। योग ग्राम से सभा प्रधान जी व अन्य सभी सहयोगी गुरुकुल कांगड़ी के विश्राम गृह में पहुंचे और वहां पर दोपहर का भोजन लेकर सायं 4 बजे पुण्य भूमि (जहां गुरुकुल कांगड़ी की स्थापना अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानन्द जी महाराज ने सन् 1902 में की थी।) पहुंचकर प्राचीन गुरुकुल भवनों का अवलोकन किया और जर्जरित हुए उस ऐतिहासिक इमारत को देखकर मन को बड़ा आघात लगा। जिस पुण्य भूमि पर गुरुकुल कांगड़ी की स्थापना हुई और स्वामी श्रद्धानन्द जी महाराज ने अपने दोनों पुत्रों को विद्यार्थी बनाकर और अपनी पूरी सम्पत्ति गुरुकुल को दान देकर एक महान आदर्श स्थापित किया था जिस पुण्य भूमि में अनेक दानवीरों ने दान देकर भवनों का निर्माण कराया था आज उन भवनों को जीर्ण–जीर्श और खण्डहर होते देखकर किस ऋषि भक्त को कष्ट नहीं होगा। यह स्थिति अत्यन्त चिन्ताजनक है। ईश्वर करे आर्यों को सद्बुद्धि प्राप्त हो और अपनी धरोहर को सुरक्षित रखने में हमलोग सक्षम हो सकें। पुण्य भूमि में जाने के लिए हमारे विशेष सहयोगी श्री फकीर चन्द आर्य का विशेष सहयोग रहा। उन्हें गुरुकुल कांगड़ी के मुख्याधिष्ठा डॉ. दीनानाथ शर्मा जी ने नियुक्त किया था।

गुरुकुल कांगड़ी, हरिद्वार में अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस समारोह में

23 दिसम्बर, 2021 को गुरुकुल कांगड़ी एवं आर्य विद्या सभा के तत्वावधान में आयोजित स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान समारोह में भाग लिया। इस कार्यक्रम में गुरुकुल कांगड़ी विद्यालय विभाग, गुरुकुल कांगड़ी फार्मेसी, हरिराम इण्टर कॉलेज, ज्वालापुर आर्य इण्टर कॉलेज, आर्य साईंस कॉलेज, कन्या गुरुकुल देहरादून आदि संस्थाओं के कर्मचारियों, अध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया।

श्री धर्मेन्द्र आर्य जी के पूज्य पिता चौ. सुखवीर सिंह जी की स्मृति में आयोजित शांति यज्ञ एवं श्रद्धांजलि सभा में

हरिद्वार से चलकर सभा प्रधान जी, स्वामी आदित्यवेश जी, श्री बिरजानन्द जी व श्री रामनिवास जी लगभग 9 बजे श्री धर्मेन्द्र आर्य जी के निवास स्थान छपरौली पहुंचे और उनके पूज्य पिता चौ. सुखवीर सिंह जी की शांति यज्ञ में सम्मिलित हुए। शांति यज्ञ पश्चात् सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि देते हुए शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी।

सार्वदेशिक सभा के मुख्यालय 3/5 आसफ अली रोड, दिल्ली के भवन में स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस के कार्यक्रम में

छपरौली से चलकर 24 दिसम्बर को सभा प्रधान जी और उनके सहयोगी सार्वदेशिक सभा मुख्यालय पहुंचे और सायं 3 से 5 बजे तक सभा कार्यालय में आयोजित स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस समारोह में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का विवरण विस्तार से अन्य पृष्ठ पर उपलब्ध है।

गुरुकुल धीरणवास, जिला–हिसार की कार्यकारिणी की बैठक

25 दिसम्बर, 2021 को गुरुकुल धीरणवास की एक आवश्यक बैठक आहुत की गई जिसमें बतौर कुलपति सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी, बतौर गुरुकुल प्रधान स्वामी आदित्यवेश जी दिल्ली से गुरुकुल धीरणवास पहुंचे। बैठक में गुरुकुल कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारी एवं अन्तरंग सदस्य सम्मिलित हुए और गुरुकुल से सम्बन्धित विविध विषयों पर गहन चर्चा हुई। गुरुकुल के प्रधान स्वामी आदित्यवेश जी ने वार्षिकोत्सव की समीक्षा करते हुए उत्सव की आय–व्यय का विवरण प्रस्तुत किया जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। इसी प्रकार कर्मचारियों के वेतन, पूर्व के कर्मचारियों की बकाया राशि, पाकशाला के नये पाचक एवं गौशाला के सेवक तथा नये अध्यापकों के चयन पर भी विचार किया गया। गुरुकुल में सौर ऊर्जा संयत्र लगवाने तथा भोजनालय में एल.पी.जी. गैस की व्यवस्था सम्बन्धी जिम्मेदारियाँ दी गईं। लगभग तीन घण्टे तक चली बैठक में कई महत्त्वपूर्ण निर्णय लिये गये और नये सत्र से अधिक से अधिक विद्यार्थियों को प्रवेश दिलाने का निश्चय किया गया। बैठक बड़े उत्साह एवं सौहार्द के वातावरण में सम्पन्न हुई।

आर्य समाज अमरोहा में कम्बल वितरण समारोह

28 दिसम्बर, 2021 को आर्य समाज अमरोहा में जिला आर्य प्रतिनिधि सभा अमरोहा, आर्य समाज अमरोहा एवं सॉवर्स क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कम्बल एवं भोज वितरण समारोह में अध्यक्षता करने के लिए सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में स्वामी आदित्यवेश जी को आमंत्रित किया गया। आर्य समाज के विशाल परिसर में कंबल व भोजन वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। आर्य समाज, स्त्री आर्य समाज एवं सोबर्स क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस भव्य समारोह का शुभारंभ राष्ट्र कल्याण यज्ञ के साथ हुआ। यज्ञ के ब्रह्मा स्वामी अखिलानंद सरस्वती गुरुकुल पुठ रहे।

इस अवसर पर सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा नई दिल्ली के प्रधान स्वामी आर्यवेश ने अपने उद्बोधन में कहा कि आर्य समाज एक समग्र आंदोलन है। आर्य समाज ने स्वतंत्रता

आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। गौ रक्षा मद्य निषेध, जातिवाद उन्मूलन,नारी उद्धार तथा शैक्षिक क्रांति से लेकर कोई भी ऐसा सांस्कृतिक धार्मिक अथवा सामाजिक क्षेत्र नहीं है जिसमें आर्य समाज का समग्र योगदान न रहा हो। उन्होंने कहा कि हैदराबाद सत्याग्रह में आर्य समाज की भूमिका किसी से छुपी नहीं है। सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश ने आर्य समाज अमरोहा द्वारा किए गए कंबल एवं भोज वितरण समारोह की मुक्त कंठ से सराहना की।

आर्य समाज परिसर में आयोजित इस भव्य समारोह में आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश के प्रधान श्री देवेंद्र पाल वर्मा ने आर्य समाज के योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि आज देश भर में शराबबंदी आंदोलन को व्यापक स्तर पर चलाने की आवश्यकता है। उन्होंने राजनीतिक दलों से आह्वान करते हुए कहा कि सभी राजनीतिक दल अपने घोषणा पत्रों में उत्तर प्रदेश में पूर्ण शराब बंदी लागू करने की घोषणा करें। उन्होंने शराब के प्रचलन से होने वाली हानियों का उल्लेख करते हुए कहा कि आर्य समाज सदैव मद्य निषेध का प्रबल समर्थक रहा है। सभा प्रधान वर्मा जी ने कहा कि आर्य समाज एक जन आंदोलन है तथा समाज में इसकी अग्रणी भूमिका है।

इस भव्य समारोह में उत्तर प्रदेश राज्य विधान परिषद के सदस्य डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त ने अपने वक्तव्य में कहा कि आर्य समाज अमरोहा प्रारंभ से ही समाज हितकारक कार्यों को करता रहा है। इस अवसर पर शिक्षक विधायक डॉ हरी सिंह ढिल्लों ने आर्य समाज के इस कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि आर्य समाज एक विश्वव्यापी संगठन है जो अभूतपूर्व कार्य कर रहा है। आर्य समाज तथा सोबर्स क्लब के तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में नौगांवा सादात से विधायक संगीता चौहान ने कहा कि आर्य समाज से उनका पुराना नाता है। आर्य समाज संस्कार, संस्कृति, सभ्यता तथा युवा पीढ़ी के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इस कार्यक्रम में आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश के प्रतिष्ठित सदस्य डॉ अशोक कुमार आर्य ने कहा कि आर्य समाज एक सार्वभौमिक संगठन है जिसका उद्देश्य संसार का कल्याण करना है। इसी उद्देश्य से आर्य समाज इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस अवसर पर अमरोहा नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष शशि जैन ने आर्य समाज के इस कार्यक्रम को एक प्रेरणादायक कार्यक्रम बताया। इस विशाल एवं भव्य समारोह में फिट इंडिया की ब्रांड एंबेसडर युक्ति आर्य ने सब को नमन करते हुए कहा कि उन्हें प्रसन्नता है कि ऐसे पावन कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर मिला है। इस अवसर पर स्वामी आदित्यवेश, अंकित आर्य एडवोकेट, आर्य समाज के प्रधान अभय आर्य, मंत्री नत्थू सिंह आर्य, विनय प्रकाश आर्य, हेतराम सागर, डॉक्टर बिना रस्तोगी डॉक्टर गजेंद्र अंजू आर्य, मधु खुराना, अश्वनी खुराना, अंकुर अग्रवाल कमलेश चंद्र अग्रवाल, हरि सिंह मौर्य, गोविंद गुप्ता विशाल गोयल एडवोकेट, डॉ अनिल रायपुरिया, मनोहर लाल आर्य विनय कुमार त्यागी, यशवंत सिंह एनके गर्ग, सिद्धार्थ जैन, रमेश विरमानी, अतुल कुमार अग्रवाल, डॉक्टर सीताराम शर्मा, राजेंद्र नाथ कपूर पुरोहित सोमेश शास्त्री व अंकित आर्य आदि सैकड़ों आर्य जन उपस्थित रहे। स्त्री आर्य समाज, जिला आर्य प्रतिनिधि सभा, सोबर्स क्लब के पदाधिकारी सदस्य गण व गणमान्य नागरिक इस अवसर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अभय आर्य ने किया तथा उनका सहयोग विशाल गोयल ने किया।

नोट :– उपरोक्त सभी कार्यक्रमों का विवरण अत्यन्त संक्षेप में दिया गया है, क्योंकि वैदिक सार्वदेशिक सार्वदेशिक के पिछले अंकों में इन सभी समाचारों को पत्रिका में स्थानाभाव के कारण प्रकाशित नहीं किया जा सका। अतः समाचार छूट न जायें इसी भावना से इस अंक में सभी समाचारों को संक्षेप में देकर आर्य जनों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है। आप इससे अनुमान लगा सकते हैं कि सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी किसी भी स्तर के कार्यक्रम में पहुँचने हर सम्भव प्रयास करते हैं। साधारण से साधारणा कार्यकर्ता के पारिवारिक कार्यक्रम अथवा गांव स्तर की आर्य समाजों के उत्सवों, जिला सभा, प्रान्तीय सभा अथवा अन्य संस्थाओं और सभाओं के कार्यक्रमों में भाग लेने का पूरा प्रयत्न करते हैं। एक–एक दिन में चार–चार, पांच–पांच कार्यक्रम भी कई बार हो जाते हैं। यह इसलिए किया जा रहा है ताकि आर्य समाज के प्रत्येक कार्यकर्ता को यह आभास रहे कि आर्य समाज की शिरोमणि का प्रधान उनके साधारण से कार्यक्रम में भी आ सकता है। स्वामी आर्यवेश जी को बहुत जगहों पर लोगों ने यह बताया कि अनेक प्रयत्न करने के बाद भी उनके कार्यक्रम में आज तक सार्वदेशिक सभा का प्रधान या अन्य अधिकारी सम्मिलित हुआ किन्तु यह पहली बार है कि आप अपना समय निकालकर हमारे कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई यह मेरा बहुत बड़ा सौभाग्य है। गुरुकुल शुक्रताल के संस्थापक, तपोनिष्ठ संन्यासी स्वामी आनन्दवेश जी ने गत वर्ष विशाल जनसभा में स्वामी आर्यवेश जी का अभिनन्दन करते हुए घोषणा पूर्वक कहा था कि हमने अनेक प्रयत्न किये कि सार्वदेशिक सभा का प्रधान हमारे गुरुकुल में पधारे। मैंने व्यक्तिगत रूप से भी सम्पर्क करके भी स्वामी आनन्द बोध को कई बार आमंत्रित किया किन्तु न वे और न कोई अन्य सभा प्रधान गुरुकुल के उत्सव में पधारे। यह स्वामी आर्यवेश जी की उदारता एवं कर्मठता है कि एक साधारण से निमंत्रण पर पहुंचते हैं और गुरुकुल को गौरवान्वित करते हैं। प्रचार यात्रा के इस विवरण में किन्हीं कार्यकर्ताओं या विशिष्ट आर्य महानुभावों का नाम छूट गया हो या कहीं विवरण में कमी रह गई हो उनसे क्षमा याचना करते हुए प्रचार यात्रा के विवरण को सम्पन्न करते हैं।

– विशेष संवाददाता, वैदिक सार्वदेशिक

!! ओ३म् !!

35 वां वेद पारायण यज्ञ एवं सत्संग समारोह

(यजुर्वेद पारायण यज्ञ)

(दिनांक 14 जनवरी से 16 जनवरी 2022)

श्रीमान्

परमात्मा की महती कृपा से पद्मिनी आर्ष कन्या गुरुकुल चित्तौड़गढ़ (राज.) में दिनांक 14 जनवरी से 16 जनवरी 2022 को यजुर्वेद पारायण यज्ञ व सत्संग का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर स्वामी प्रणवानन्दजी (दिल्ली), स्वामी आर्यवेशजी (दिल्ली) स्वामी आदित्यवेशजी(रोहतक), स्वामी व्रतानन्दजी (आमसेना),आ. योगेंद्रजी याज्ञिक (होशंगाबाद), आ.दयासागरजी(थांदला), आ.जीववर्धनजी (बांसवाड़ा), आ.धनन्जयजी (देहरादून), आ.पुष्पाजी(आमसेना),पं.योगेशदत्तजी आर्य, पं.नरेश दत्तजी, पं.भीष्म कुमारजी आर्य (बिजनौर) आदि महानुभाव पधार रहे है। जिनके भजन एवं प्रवचनों का लाभ प्राप्त करने हेतु अवश्य पधारें।

विशेष : इस अवसर पर भव्य यज्ञशाला का राज्यपाल (सिक्कीम) द्वारा उद्घाटन होगा। इस शुभ अवसर पर स्वामी सुमेधानन्दजी, श्री सुरेशजी आर्य(अहमदाबाद), श्री दीनदयालजी (कोलकाता), श्री प्रकाशजी आर्य(महू),श्री विट्ठलराव जी आर्य (हैदराबाद),श्री अरूणजी अबरोल (मुम्बई),श्री विजयजी शर्मा(भीलवाड़ा) की विशेष उपस्थिति में होगा।

-कार्यक्रम-

दि. 14 एवं 15 जनवरी 2022

प्रात: 7:30 से 10:30 बजे व सायं 4 से 6 बजे -यज्ञ एवं भजन

विषेश : भव्य यज्ञशाला का उद्घाटन - प्रात :11 बजे

रात्रि 7 से 9:30 बजे तक भजन व प्रवचन

दि. 16 जनवरी 2022 रविवार

प्रात: 7:30 से 10:30 बजे यज्ञ की पूर्णाहुति व प्रवचन

प्रात:10:30 बजे धन्यवाद एवं शांतिपाठ

कार्यक्रम स्थल

पद्मिनी आर्ष कन्या गुरुकुल प्रताप नगर चित्तौड़गढ, राजस्थान

-आयोजक-

डॉ.सोमदेव शास्त्री 9869668130

प्रणव शास्त्री 9920423095

अनिरूद्ध शास्त्री 7302572443

-प्रबंधक-

संचालन समिति एवं समस्त पदाधिकारी

पद्मिनी आर्ष कन्या गुरुकुल चित्तौड़गढ़ (राज.)

मुद्रक : #TeamDigitalArya_9981103014

स्वामी श्रद्धानन्द जी महाराज के 95वें बलिदान दिवस के अवसर पर दिनांक 24 दिसम्बर, 2021 को सार्वदेशिक सभा मुख्यालय में दी गई श्रद्धांजलि

स्वामी श्रद्धानन्द जी के सपनों को साकार करके ही भारत विश्वगुरु बन सकता है

– स्वामी आर्यवेश

स्वामी श्रद्धानन्द जी ने समाजसुधार एवं शिक्षा के लिए विशेष कार्य किये

– स्वामी आदित्यवेश

आजादी के आन्दोलन में स्वामी श्रद्धानन्द जी की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी

–बिरजानन्द एडवोकेट

दिनांक 24 दिसम्बर 2021 (शुक्रवार) को सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के मुख्यालय 3/5 आसफ अली रोड (रामलीला मैदान), नई दिल्ली के सभागार में स्वामी श्रद्धानन्द जी महाराज का 95वाँ बलिदान दिवस मनाया गया। स्वामी जी का बलिदान 23 दिसम्बर को हुआ था परन्तु उनके पार्थिव शरीर को जनता के अन्तिम दर्शनार्थ 24 दिसम्बर को रखा गया था, उसी को ध्यान में रखते हुए स्वामी जी के बलिदान से प्रेरणा प्राप्त करने के लिए आज दिनांक 24 दिसम्बर, 2021 को उनके द्वारा किये गये कार्यों से प्रेरणा लेने के लिए हम सब यहाँ उपस्थित हुए हैं। इस श्रद्धांजलि सभा के अवसर पर मुख्यरूप से सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी, मिशन आर्यावर्त के निदेशक तथा सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् हरियाणा के प्रधान स्वामी आदित्यवेश जी, आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के प्रधान श्री बिरजानन्द एडवोकेट, सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् हरियाणा के पूर्व प्रधान श्री रामनिवास आर्य जी, सार्वदेशिक सभा के उपमंत्री श्री मधुर प्रकाश शास्त्री, आर्य समाज शालीमार बाग के प्रधान श्री अमित मान, आर्य समाज ग्रेटर कैलाश से श्री वेद प्रकाश आर्य, मानव सेवा प्रतिष्ठान के प्रधान श्री चन्द्रदेव शास्त्री तथा कार्यकारी प्रधान श्री रामपाल शास्त्री जी, आर्य समाज नवी करीम के धर्माचार्य श्री ऋषिपाल शास्त्री, आर्य समाज मिण्टो रोड के धर्माचार्य आचार्य भद्रकाम वर्णी, श्री रामपाल आर्य, बंधुआ मुक्ति मोर्चा के कोषाध्यक्ष श्री विष्णु पाल सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थित होकर स्वामी श्रद्धानन्द जी को अपनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके द्वारा किये गये कार्यों से प्रेरणा लेने का यह संकल्प लिया कि उनके द्वारा दिखाये गये कार्यों को पूरा करने में अपना सहयोग करेंगे। इस पूरे कार्यक्रम का संचालन युवा संन्यासी स्वामी आदित्यवेश जी ने संभाला।

सभा में उपस्थित अनेक वक्ताओं ने स्वामी श्रद्धानन्द जी के संस्मरण को सुनाते हुए अपने–अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये। बीच–बीच में कार्यक्रम के संचालक युवा संन्यासी स्वामी आदित्यवेश जी स्वामी श्रद्धानन्द जी के अनेक संस्मरणों को बताते रहे। स्वामी आदित्यवेश जी ने बताया कि स्वामी श्रद्धानन्द जी ने आजादी से लेकर समाज सुधार के लिए जो कार्य किये हैं उससे हम सबको प्रेरणा लेकर क्रांतिकारी कदम उठाने चाहिए। उन्होंने बताया कि स्वामी श्रद्धानन्द जी ने गुरुकुल कांगड़ी की स्थापना करके यह दर्शा दिया था कि सही मायने में यदि कोई शिक्षा प्रणाली है तो वह है गुरुकुल शिक्षा प्रणाली। लॉर्ड मैकाले की शिक्षा प्रणाली का उन्होंने जमकर विरोध किया और गुरुकुल शिक्षा प्रणाली के माध्यम से अनेक युवाओं को संस्कारित किया जिन्होंने आगे चलकर देश एवं समाज की सेवा की। स्वामी श्रद्धानन्द जी जो कहते थे उसे पहले अपने ऊपर लागू करके दिखाते थे। उन्होंने सर्वप्रथम अपने दोनों सुपुत्रों का गुरुकुल में दाखिला कराया और उन्हें गुरुकुल शिक्षा पद्धति से संस्कारित एवं शिक्षित किया। ऐसे महान उदाहरण आज के समय में नहीं देखे जा सकते हैं। स्वामी श्रद्धानन्द जी के यही सब कार्य उन्हें अपने आप में महान बनाते हैं। इसलिए हम सबको ऐसे महान संन्यासी के जीवन कार्यों से प्रेरणा लेकर समाज में कार्य करने की आवश्यकता है। हमें हिन्दू–मुसलमान करके समाज को बांटना नहीं है बल्कि स्वामी श्रद्धानन्द जी के दिखाये रास्ते पर चलकर सबको जोड़कर चलना है और समाज में सभी मनुष्यों को वैदिकधर्मी बनाने का प्रयास करना है। उन्होंने अन्त में अध्यक्षीय उद्बोधन के लिए सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी को आमंत्रित किया।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने स्वामी श्रद्धानन्द जी महाराज को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए बताया कि यद्यपि स्वामी जी का बलिदान 23 दिसम्बर को हुआ था परन्तु आज की तिथि इसलिए चुनी गई क्योंकि उनके पार्थिव शरीर को जनता के अन्तिम दर्शनार्थ 24 दिसम्बर को रखा गया था और उस दिन देश के बड़े–बड़े नेता, समाजसेवी बन्धु एवं सामान्यजन उनके अन्तिम दर्शन के लिए उमड़ पड़े थे। इसलिए आज हम सब उन्हें अपनी श्रद्धांजलि देने के लिए यहाँ उपस्थित हुए हैं। हम सबको उनके जीवन कार्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए कि उन्होंने अपने जीवन में कितने बड़े–बड़े कार्य किये हैं। स्वामी जी का आजादी की लड़ाई में विशेष योगदान रहा है। आजादी के समय के नेताओं में स्वामी श्रद्धानन्द जी का कद सबसे ऊँचा था। पूरे भगवाधारी संन्यासियों में से वह एक अकेले ऐसे संन्यासी थे जिन्होंने जामा मस्जिद के मिम्बर से देश की एकता के लिए वेद मंत्र के माध्यम से जनता को सम्बोधित किया और कहा कि सब एक होकर देश की आजादी की लड़ाई लड़ो और इन गोरे अंग्रेजों को देश से भगाने का कार्य करो। स्वामी जी के आह्वान पर देश के हजारों नवयुवकों ने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की बाजी लगा दी और अंग्रेजों को भगाकर ही दम लिया।

सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने स्वामी श्रद्धानन्द जी के अनेक संस्मरण सुनाते हुए कहा कि स्वामी श्रद्धानन्द जी ने गुरुकुल कांगड़ी में गुरुकुल की स्थापना करके जो महत्त्वपूर्ण कार्य किया था उसकी गूंज इंग्लैण्ड तक पहुँच गई। इंग्लैण्ड के प्रधानमंत्री के निर्देश पर एक जत्था गुरुकुल कांगड़ी के गुरुकुल का निरीक्षण करने पहुँचा और वहाँ पहुँचने पर स्वामी श्रद्धानन्द जी महाराज से कहा कि आपके गुरुकुल में बम बनते हैं तो इस पर स्वामी श्रद्धानन्द जी महाराज ने कहा कि हाँ हम यहाँ पर बम तैयार कर रहे हैं तो उस अंग्रेज अधिकारी ने कहा कि चलो दिखाओ। स्वामी श्रद्धानन्द जी उस अंग्रेज अधिकारी को उस स्थान पर लेकर गये जहाँ गुरुकुल के ब्रह्मचारी यज्ञ, योग एवं व्यायाम प्रदर्शन कर रहे थे, उन्हें दिखाते हुए स्वामी जी ने कहा कि यही बम तैयार हो रहे हैं यहाँ पर। जिसे देखकर वह अंग्रेज अधिकारी हिल गया।

कहने का तात्पर्य यह है कि वास्तव में यदि देश की सरकारें और समाजसेवी संस्थाएँ देश का भला करना चाहते हैं तो लोगों को लॉर्ड मैकाले की शिक्षा पद्धति से निजात पाना होगा और गुरुकुल शिक्षा प्रणाली को बढ़ावा देना होगा। यदि हम स्वामी श्रद्धानन्द जी द्वारा दिखाये गये रास्ते पर चलकर अपने बच्चों को गुरुकुल शिक्षा प्रणाली के माध्यम से शिक्षित एवं संस्कारित करेंगे तो ही हमारा देश विश्वगुरु बन सकता है।

इस अवसर पर सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने कई प्रस्ताव भी पारित करवाये, जिसे भारत सरकार के पास भिजवाया जायेगा। उन्होंने प्रस्ताव रखा कि शिक्षा प्रणाली में सुधार करके गुरुकुल शिक्षा प्रणाली को बढ़ावा दिया जाये। देश में पूर्ण नशाबन्दी लागू की जाये, स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान भवन, नया बाजार, दिल्ली को राष्ट्रीय स्मारक घोषित किया जाये, स्वामी श्रद्धानन्द जी द्वारा स्थापित प्राचीन गुरुकुल हरिद्वार को राष्ट्रीय स्मारक घोषित किया जाये, स्वामी श्रद्धानन्द जी द्वारा चलाये गये दलितोद्धार एवं शुद्धि आन्दोलन के कार्य को आगे बढ़ाया जाये जिससे जन्मना जातिवाद पर विराम लग सके, सरकारी शिक्षण प्रणाली में वैदिक सिद्धान्तों को भी सम्मिलित किया जाये, इसी तरह कई अन्य प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास किये गये। स्वामी आर्यवेश जी ने उपस्थित सभी महानुभावों से अपील की कि स्वामी श्रद्धानन्द जी के सपनों को साकार करने के लिए सभी लोग तन–मन–धन से सक्रिय होकर कार्य करें जिससे उनके सपनों का भारत बनाया जा सके। श्रद्धांजलि सभा के पश्चात् सुन्दर जलपान की व्यवस्था सभा कार्यालय द्वारा की गई थी जिसे सभी लोगों ने ग्रहण किया।

सार्वदेशिक सभा के वरिष्ठ कार्यकर्ता श्री विजय प्रकाश जी का असामयिक निधन

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के मुखपत्र 'वैदिक सार्वदेशिक' के सम्पादन की प्रबन्ध व्यवस्था करने वाले वरिष्ठ कार्यकर्ता श्री विजय प्रकाश जी का दिनांक 28 दिसम्बर, 2021 को प्रातः लगभग 7 बजे 67 वर्ष की आयु में असामयिक निधन हो गया। वह पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। श्री विजय प्रकाश जी की पारिवारिक पृष्ठभूमि आर्य समाज से जुड़ी रही है। उनके पूज्य पिता स्व. श्री राजेन्द्र शर्मा जी गुरुकुलीय शिक्षा ग्रहण करने के बाद अध्यापन का कार्य करने के साथ-साथ आर्य समाज हापुड़, उत्तर प्रदेश में लम्बे समय तक धर्माचार्य के रूप में अपनी सेवाएँ प्रदान करते रहे। उनके द्वारा परिवार को प्रदान किये गये आर्य संस्कारों के अनुरूप श्री विजय प्रकाश जी सार्वदेशिक सभा कार्यालय में कार्यरत होने के साथ ही विगत काफी वर्षों से आर्य समाज शकरपुर, दिल्ली में धर्माचार्य के रूप में अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे थे। श्री विजय प्रकाश जी अपने पीछे धर्मपत्नी श्रीमती मंजू देवी तथा दो सुपुत्र एवं एक सुपुत्री (सभी विवाहित) और पौत्रियों का भरा पूरा परिवार छोड़कर गये हैं। ऐसे आर्य संस्कारों से ओत-प्रोत आर्य समाज के कर्मठ कार्यकर्ता का निधन आर्य समाज एवं उनके परिवार की अपूर्णीय क्षति है। उनके निधन पर सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए परमपिता परमात्मा से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को शांति एवं सद्गति प्रदान करें तथा पारिवारिक जनों को इस कष्ट को सहन करने की शक्ति दें।

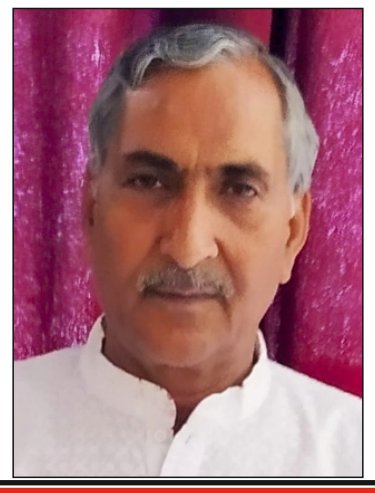

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्, दिल्ली के तत्वावधान में 95वें बलिदान दिवस पर स्वामी श्रद्धानंद जी को दी गई श्रद्धांजलि

स्वामी श्रद्धानन्द जी सामाजिक समरसता के अग्रदूत थे

– मीनाक्षी लेखी, केन्द्रीय मंत्री

अछूतोद्धार में स्वामी श्रद्धानन्द जी का अमूल्य योगदान

– अनिल आर्य

वीरवार 23 दिसम्बर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में सुप्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी,महान समाज सुधारक, गुरुकुल कांगड़ी के संस्थापक स्वामी श्रद्धानन्द सरस्वती का 95 वां बलिदान दिवस 14, महादेव रोड़,नई दिल्ली में सोल्लास मनाया गया।

केन्द्रीय विदेश राज्यमन्त्री मीनाक्षी लेखी ने कहा कि स्वामी श्रद्धानन्द जी का जीवन समाजिक समरसता को समर्पित था। उन्होंने कहा कि स्वामी जी ने गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार की स्थापना करके पुरातन गुरुकुल शिक्षा प्रणाली को पुनर्जीवित किया। स्वामी श्रद्धानन्द निर्भीक संन्यासी थे कई मोर्चों पर अंग्रेजी हकूमत से उन्होंने लोहा लिया। उनके जीवन से आज प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा सर्वे भवंतु सुखिना की परंपरा से सनातन वैदिक धर्म की रक्षा होगी महिला शिक्षा को आज भुला नहीं सकते अगर समाज में आगे बढ़ना है, स्वामी श्रद्धानन्द जी का बलिदान ही रंग लाया जो आज स्वतंत्रता से यज्ञादि श्रेष्ठ कार्य कर सकते हैं।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि स्वामी जी ने अछूतोद्धार में अदभुत कार्य किया। शुद्धिकरण व घर वापसी के लिए उन्होंने अभियान चलाया।

महिलाओं की शिक्षा के लिए जालन्धर में महाविद्यालय की स्थापना की।उन्होंने गुरुकुल कांगड़ी की स्थापना के लिए अपनी कोठी व प्रेस बेचकर अपना सब कुछ दान कर दिया।

समारोह के अध्यक्ष शिक्षाविद अंजु मेहरोत्रा ने कहा कि जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद उन्होंने कांग्रेस अधिवेशन अमृतसर में कराकर निर्भीकता का परिचय दिया।

आर्य नेता माया प्रकाश त्यागी ने कहा कि स्वामी दयानंद जी के प्रवचनों को सुनकर उनके जीवन में बदलाव आया और वे मुंशी राम से स्वामी श्रद्धानंद बने उन्होंने आर्य समाज को कुशल नेतृत्व प्रदान किया और गुरुकुलों की स्थापना की।

कार्यक्रम का शुभारम्भ आचार्य डॉ.जयेन्द्र कुमार ने यज्ञ करवा कर किया,उन्होंने कहा कि महर्षि दयानंद जी के बाद सबसे अधिक कार्य स्वामी श्रद्धानन्द जी ने संभाला। जिस समय इस देश पर अविद्या का अन्धकार था उस समय दयानन्द जी ने ज्ञान के सूर्य से उस अंधकार को दूर किया। उन्होंने शुद्धि आंदोलन शुरु किया गुरुकुलों की स्थापना की और संपूर्ण जीवन श्रद्धा वान रहे।

वैदिक विद्वान विमलेश बंसल दर्शनाचार्य,बीजीपी नेता भारत भूषण मदान,पूर्व महापौर सुभाष आर्य,पार्षद यशपाल आर्य, आचार्य महेन्द्र भाई,प्रवीण आर्य (गाजियाबाद),रविदेव गुप्ता, चंद्रशेखर शर्मा (ग्वालियर),ओम सपरा,श्रुति सेतिया आदि ने भी अपने विचार रखे। गायिका दीप्ति सपरा,प्रवीन आर्या,रजनी गर्ग,उर्मिला आर्या,आराधना शर्मा आदि के मधुर गीत प्रस्तुत किये गये।

इस अवसर पर मुख्य रूप से सर्वश्री देवेंद्र गुप्ता, राहुल आर्य, यज्ञवीर चौहान, के.के. यादव, आर्य रत्न सौरभ कुमार, आशा रानी, ममता चौहान, मृदुला अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

सार्वदेशिक सभा के कर्मठ कार्यकर्ता श्री धर्मेन्द्र आर्य के पूज्य पिता

श्री सुखवीर सिंह जी का निधन

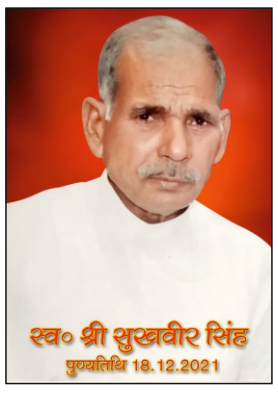

सार्वदेशिक सभा के कर्मठ कार्यकर्ता तथा आर्य समाज छपरौली के कार्यकारी प्रधान श्री धर्मेन्द्र आर्य के पूज्य पिता श्री सुखवीर सिंह जी का दिनांक 18 दिसम्बर, 2021 (शनिवार) को असामयिक निधन हो गया है। उनका अन्तिम संस्कार गाँव छपरौली, जिला–बागपत में यमुना नदी के किनारे पूर्ण वैदिक रीति से किया गया। उनकी स्मृति में शांति यज्ञ एवं शोक सभा का आयोजन दिनांक 24 दिसम्बर, 2021 (शुक्रवार) को प्रातः 8.30 बजे सम्पन्न किया गया। शांति यज्ञ में मुख्य रूप से सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी, मिशन आर्यावर्त के निदेशक स्वामी आदित्यवेश जी, आर्य प्रतिनिधि सभा, राजस्थान के प्रधान श्री बिरजानन्द जी एडवोकेट, सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् हरियाणा के पूर्व प्रधान श्री रामनिवास आर्य जी, बेटी बचाओ अभियान की अध्यक्ष बहन पूनम आर्या तथा संयोजक बहन प्रवेश आर्या, मानव सेवा प्रतिष्ठान के प्रधान श्री चन्द्रदेव आर्य तथा कार्यकारी प्रधान श्री रामपाल शास्त्री, श्री अजयपाल आर्य, श्री ऋषिराज शास्त्री, श्री सहसरपाल आर्य, श्री अंकित शास्त्री, श्री शिवकुमार आर्य, श्री नरेन्द्र पहलवान, श्री सुशील कुमार, श्री योगेन्द्र आर्य, श्री राजेन्द्र आर्य, बंधुआ मुक्ति मोर्चा के कोषाध्यक्ष श्री विष्णु पाल एवं श्री अशोक वशिष्ठ, जिला सभा बागपत के प्रधान श्री राजेन्द्र सिंह आर्य, श्री तेजपाल दरोगा, मा. देवी सिंह, श्री अवनीश आर्य के अतिरिक्त सम्बन्धी एवं छपरौली के गणमान्य व्यक्तियों सहित अनेक महानुभावों ने भाग लेकर शांति यज्ञ में अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की। शांति यज्ञ के कार्यक्रम का पूरा दायित्व आर्य समाज छपरौली के पूर्व प्रधान श्री राज सिंह आर्य जी, श्री जयदेव आर्य जी एवं श्री ओमपाल आर्य जी ने पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ संभाला।

सार्वदेशिक सभा के यशस्वी प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने अपने मार्मिक उपदेश से परिवारजनों का दुःख बांटा और उन्हें सांत्वना प्रदान करते हुए इस दुःख से त्राण पाने की प्रेरणा प्रदान की। उन्होंने कहा कि मृत्यु एक अटल सत्य है, परन्तु परिवार के मुखिया का अचानक असमय चले जाना परिवारजनों के लिए अत्यन्त कष्टकारी होता है। लेकिन परमात्मा के निर्णय के आगे हम सबको नतमस्तक होना ही पड़ता है। स्वामी जी ने बताया कि श्री सुखवीर सिंह जी एक सद्गृहस्थ, धर्मपरायण, शांत स्वभाव एवं सुन्दर व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने अपने बच्चों को संस्कारवान बनाया। अपने पिता द्वारा प्राप्त संस्कारों के अनुरूप ही उनके दोनों सुपुत्र श्री योगेन्द्र सिंह तथा श्री धर्मेन्द्र कुमार घर–गृहस्थी के कार्यों के साथ–साथ आर्य समाज के कार्यों में बढ़–चढ़कर भाग लेते हैं। उनके छोटे सुपुत्र श्री धर्मेन्द्र आर्य जी हमारे एक अनन्य साथी हैं जो कि सार्वदेशिक सभा में कार्यरत हैं तथा समाज के अन्य कार्यों में भी बढ़–चढ़कर अपना योगदान प्रदान करते रहते हैं। ऐसे नौजवान एवं जुझारू कार्यकर्ता के पिता जी का अचानक निधन निश्चित रूप से हम सबके लिए कष्टकारी है। उनके निधन से जितना दुःख श्री धर्मेन्द्र कुमार तथा परिजनों को है उतने ही हम सब भी दुःखी हैं। स्वामी जी ने पारिवारजनों को सांत्वना देते हुए कहा कि हम आपके परिवार के सदस्य की तरह ही हैं और इस असह्य कष्ट में हम सब आपके साथ हैं। उन्होंने कहा कि इस समय वियोग का सबसे अधिक कष्ट पूज्या माता जी को है, क्योंकि पति–पत्नी का शरीर अलग होते हुए भी उनकी आत्मीयता अत्यन्त प्रगाढ़ होती है और उनमें से किसी एक का साथ छूट जाने से दूसरे को सर्वाधिक दुःख अनुभव होता है। अतः यह आवश्यक है कि पूज्या माता जी को सभी परिवारजन विशेषकर उनके पुत्र एवं पुत्र वधुएं प्रसन्न रखें। उनका मनोबल बढ़ायें, उनके साथ बैठकर उनके अनुभवों को सुनें, उनके मन को हल्का करें और उनको इस दुःख को भूल जाने के लिए निरन्तर व्यस्त रखें। स्वामी जी ने अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति तथा सद्गति के लिए परमपिता परमात्मा से प्रार्थना की।

बहन पूनम आर्या ने अपने श्रद्धांजलि वक्तव्य में कहा कि किसी व्यक्ति के मृत्यु से ज्ञात हो जाता है कि वह आत्मा कितनी उन्नत है, क्योंकि सहज में बिना अधिक कष्ट पाये या अन्य लोगों को कष्ट पहुंचाये यदि किसी की मृत्यु होती है वह आत्माएं प्रायः पुण्य आत्माएं मानी जाती हैं।

प्रिं. भोपाल सिंह आर्य, छपरौली ने भी अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति एवं सद्गति तथा परिवारजनों को इस असह्य कष्ट को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए परमपिता परमात्मा से प्रार्थना की।

पंजीयन संख्या DELMUL/2005/15488
डाक पंजीकरण संख्या DL(c)-01/1213/2021-23
Licence to Post without prepayment of Postage. U (c)-289/2021-23

सोशल मीडिया के माध्यम से स्वामी आर्यवेश जी से जुड़ें

आर्य युवा सन्यासी व सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी से जुड़ने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें www-facebook-com/SwamiAryavesh व फेसबुक पेज को लाइक करें व अन्य मित्रों को भी प्रेरित करें।

ई-मेल : aryavesh@gmail.com
Tel. :-011-23274771

प्रतिष्ठा में :–

अवितरण की दशा में लौटाएँ –
सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा
"दयानन्द भवन" 3/5 आसफ अली रोड, नई दिल्ली–110002

गुरुकुल महाविद्यालय ज्वालापुर के प्रांगण में सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी का हुआ ओजस्वी उद्बोधन

23 दिसम्बर 2021 को हरिद्वार के प्रसिद्ध गुरुकुल महाविद्यालय ज्वालापुर के प्रांगण में सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी के पहुंचने पर श्री अंकित आर्य एडवोकेट एवं गुरुकुल के शिक्षकों द्वारा सभा प्रधान जी का भव्य स्वागत किया गया।

स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस के अवसर पर सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें वैदिक सिद्धांतों को जीवन में अपनाकर समाज के सामने आदर्श प्रस्तुत करना है। उन्होंने कहा कि स्वामी दयानन्द के सपनों को साकार करने में गुरुकुल के ब्रह्मचारी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। आपको एक सुन्दर अवसर मिला हुआ है इसलिए इस समय का आप सदुपयोग करें। अपने जीवन में पंच महायज्ञों को महत्व देना तथा वैदिक मान्यताओं की पुर्नस्थापना के लिए कठिन तप व मेहनत करने की आदत बनाएं। स्वामी दर्शनानन्द जी व स्वामी श्रद्धानन्द जी को अपना आदर्श बनाकर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। उन्होंने युवा संन्यासी स्वामी यतीश्वरानन्द जी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि स्वामी जी ने बहुत सुंदर व्यवस्था पुनः प्रारम्भ की है।

मिशन आर्यावर्त के निदेशक युवा संन्यासी स्वामी आदित्यवेश जी ने कहा कि आज देश में जीवनदानी युवाओं की आवश्यकता है। क्योंकि देश में जातिवाद, नशाखोरी, साम्प्रदायिकता, पाखण्ड व शोषण जैसी समस्याएं तेजी से फैल रही हैं। इसको मिटाने के लिए दुबारा से स्वामी श्रद्धानन्द जी व स्वामी दर्शनानन्द जी के आदर्शों पर चलने वाले देश भक्तों की आवश्यकता है। शहीदे आजम भगत सिंह, रामप्रसाद बिस्मिल, चंद्रशेखर आजाद जैसे क्रांतिकारियों के सपनो को पूरा करने के लिए अपना जीवन राष्ट्र व समाज के नव निर्माण में लगाने वाले युवकों को अब आगे आना होगा तभी ये देश विश्वगुरु बन सकता है।

इस अवसर पर राजस्थान आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री बिरजानन्द एडवोकेट व सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् हरियाणा के पूर्व प्रधान श्री रामनिवास आर्य, श्री सन्नी शास्त्री व श्री धर्मेन्द्र शास्त्री भी उपस्थित रहे। श्री अंकित एडवोकेट ने सभी का आभार प्रकट किया।

पृष्ठ 1 का शेष

अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानन्द जी महाराज का बलिदान दिवस हरिद्वार के सिंहद्वार पर समारोह पूर्वक मनाया गया

स्वामी आर्यवेश जी ने उपस्थित लोगों से कहा कि अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानन्द जी तथा त्यागमूर्ति स्वामी दर्शनानन्द जी द्वारा स्थापित गुरुकुल कांगड़ी के प्राचीन गौरव को बनाये रखने एवं इसके विकास के लिए आर्य समाज के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को कमर कसकर कार्य करने की आवश्यकता है। स्वामी जी ने कहा कि स्वामी श्रद्धानन्द जी द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में जो क्रांतिकारी कार्य किये गये हैं उसे जन–जन तक पहुँचाने की आवश्यकता है। गुरुकुलों में विशेष सुधार करने की आवश्यकता है, गुरुकुल शिक्षा प्रणाली में आधुनिक शिक्षा को विकसित करने की आवश्यकता है जिससे लोगों का आकर्षण गुरुकुलों के प्रति बढ़े। अभी अधिकांश लोगों की मानसिकता रहती है कि गुरुकुल में पढ़ने वाले बच्चे आगे चलकर पण्डे–पुजारी बनते हैं। हम सबको मिलकर सामूहिक प्रयास करना होगा कि लोगों के इस भ्रम को दूर करें तथा अधिक से अधिक लोगों को प्रेरित करें कि वे अपने बच्चों को गुरुकुलों में पढ़ायें जिससे देश को सभ्य एवं संस्कारित समाज मिल सके। वर्तमान समय में लॉर्ड मैकाले की शिक्षा पद्धति ने देश के युवाओं को पश्चिमी सभ्यता की ओर धकेल दिया है। लॉर्ड मैकाले की शिक्षा पद्धति को जड़ से उखाड़ फेंकने की आवश्यकता है। स्वामी जी ने उपस्थित लोगों से अपील की कि वे गुरुकुलों का अधिक से अधिक सहयोग करें जिससे गुरुकुल शिक्षा को और अधिक प्रचारित–प्रसारित करने में मदद मिल सके।

श्रद्धानन्द चौक, हरिद्वार में आयोजित बलिदान दिवस के अवसर पर मिशन आर्यावर्त के निदेशक स्वामी आदित्यवेश जी ने युवाओं में जोश भरने का कार्य किया। उन्होंने स्वामी श्रद्धानन्द जी द्वारा किये गये कार्यों एवं उनके वीरतापूर्ण कार्यों का दिग्दर्शन कराया। स्वामी आदित्यवेश जी ने कहा कि महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के सपनों को सही मायने में किसी ने मूर्तरूप देने का कार्य किया तो वह थे स्वामी श्रद्धानन्द जी महाराज। उन्होंने गुरुकुल की स्थापना करके लॉर्ड मैकाले की शिक्षा पद्धति को चौलेंज दिया और यह संदेश देने की कोशिश की कि सही मायने में मानव का निर्माण तभी किया जा सकता है जब हम अपने बच्चों को अपनी सभ्यता एवं संस्कृति से ओत–प्रोत करायेंगे। इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति के लिए स्वामी श्रद्धानन्द जी आजीवन संघर्ष करते रहे। उन्होंने देश की आजादी में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा मानव को मानव से प्रेम करने की बात सिखाई। स्वामी श्रद्धानन्द जी वैदिक धर्म के प्रचार–प्रसार के लिए प्राण–पण से जुटे रहे। स्वामी जी ने शुद्धि आन्दोलन चलाकर भटके हुए लोगों को वैदिक धर्मी बनाने का प्रयास काफी बड़े स्तर पर चलाया। ऐसे महान संन्यासी को आज हम सब श्रद्धांजलि देने के लिए उपस्थित हुए हैं। मेरा दृढ़ मत है कि यदि उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि देनी है तो हम सबको आज यह

संकल्प लेना होगा कि हम उनके द्वारा दिखाये गये मार्ग पर चलकर कार्य करेंगे तथा उनके द्वारा किये जा रहे कार्यों को आगे बढ़ाने में प्राण–पण से जुटेंगें।

बिरजानंद एडवोकेट जी ने अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानन्द जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि स्वामी श्रद्धानन्द जी द्वारा चलाये गये प्रकल्पों को लागू कराने का पूरा प्रयास किया जायेगा। सहायक मुख्य अधिष्ठाता नवनीत परमार ने भी अपने विचार इस अवसर पर रखे।

इस अवसर पर मुख्याधिष्ठाता डॉ. दीनानाथ शर्मा ने स्वामी आर्यवेश जी, स्वामी आदित्यवेश जी, बिरजानंद एडवोकेट ,रामनिवास आर्य सभी अतिथियों को शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विभिन्न संस्थाओं के अतिरिक्त गुरुकुल के शिक्षकों, कर्मचारियों तथा कांगड़ी फार्मेसी के अधिकारी एवं कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा।

प्रो० विट्ठलराव आर्य, सभा मंत्री, प्रकाशक व मुद्रक द्वारा सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, 3/5 महर्षि दयानन्द भवन, (रामलीला मैदान/आसफ अली रोड), नई दिल्ली-110002 के लिए प्रकाशित तथा ज्योति प्रिंटिंग प्रेस, ई-94, सैक्टर-6, नोएडा-201301 से प्रकाशित एवं मुद्रित। (फोन : 011-23274771, 23260985 टेलीफैक्स : 23274216)
सम्पादक : प्रो० विट्ठलराव आर्य (सभा मन्त्री) मो.:0-9849560691, 0-9013251500 ई-मेल : sarvadeshik@yahoo.co.in, sarvadeshikarya@gmail.com वैबसाइट : www.vedicaryasamaj.com
वैदिक सार्वदेशिक साप्ताहिक में छपे लेखों तथा विचारों से सम्पादक या सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की सैद्धान्तिक मतैक्यता होना अनिवार्य नहीं है।